दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 2 | अंक: 329 जयपुर, मंगलवार, 07 नवंबर, 2023 | कार्तिक, कृष्ण पक्ष- दशमी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

पेज @ 09

विधानसभा चुनाव 2023

कांग्रेस की सातवीं गारंटी

ओ.पी.एस. के लिये कानून लाया जाएगा

कांग्रेस फिर से!

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन पक्की

ओ.पी.एस गारंटी

गारंटी में अपना नाम दर्ज कराने के लिये मिस्ड कॉल दें 8587070707

जरूरी खबर

राजस्थान हाई कोर्ट के सीजे मसीह SC में होंगे न्यायाधीश

नई दिल्ली। सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सोमवार को राजस्थान सहित तीन हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में की। कॉलेजियम ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा, राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और गुवाहाटी हाई कोर्ट के सीजे संदीप मेहता के नाम की सिफारिश शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों के रूप में की।

सामरिया ने मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ ली

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राजस्थान के डीग जिले के पहाड़ी गांव के पूर्व आईएएस अधिकारी हीरालाल सामरिया को सोमवार को मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ दिलाई। यह पद तीन अक्टूबर से ही रिक्त था। सामरिया ने बाद में दो सूचना आयुक्तों को भी पद की शपथ दिलाई। सामरिया के पिता राजस्थान पुलिस में डीएसपी रहे और इनके पुत्र पीयूष राजस्थान कैडर के आईएएस हैं। सामरिया पहले दलित हैं, जिन्हें इस पद पर नियुक्त किया गया है।

ये भी देखें...

कांग्रेस की गारंटी यात्रा का शुभारंभ आज पेज-2

भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य ने भरे 162 पर्चे पेज-3

समीकरणों के बीच झूल रहा मारवाड़ का 'मूड' पेज-5

महिला आरक्षण का भरा था दम, मगर चुनाव में महिलाओं की भागीदारी कम

भाजपा ने 20 और कांग्रेस ने 28 महिलाओं को दी टिकट, 7 पर आमने-सामने

कुनाल भटनागर | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव क लिए भाजपा और कांग्रेस ने अपने तमाम प्रत्याशी घोषित कर दिए। देश में पिछले दिनों महिला आरक्षण को लेकर काफी हलचल देखने को मिली। अलबत्ता, टिकट बंटवारे में महिला आरक्षण के दावे के अनुरूप अमल होता नहीं दिखा। बीजेपी और कांग्रेस ने कुल 200 सीटों पर महज 46 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। इनमें भाजपा ने 20 और कांग्रेस ने 28 महिलाओं को मैदान में उतारा है। सिर्फ 7 सीटें ऐसी हैं, जिन पर महिलाओं के बीच ही मुकाबला होगा, जबकि 32 अन्य सीटों पर मुकाबला महिला का मुकाबला पुरुष प्रत्याशी से होगा।

कांग्रेस ने इन महिलाओं को दिया टिकट: कांग्रेस ने जोधपुर से मनीषा पंवार, ओसियां से दिव्या मदेरणा, शेरगढ़ से मीना कंवर, जालोर से रमीला मेघवाल, आहोर से सरोज चौधरी, बगरू से गंगा देवी, चौमूं से शिखा मील बराला, मालवीय नगर से अर्चना शर्मा, सिकराय से ममता भूपेश, खेतड़ी से मनीषा गुर्जर, मंडावा से रीटा चौधरी, बानसूर से शकुंतला रावत, वल्लभगढ़ से प्रीति शक्तावत, कठूमर से संजना जाटव, कुशलगढ़ से रमीला खड़िया, पुष्कर से नसीम अख्तर इंसाफ, नोखा से सुशीला डूडी, कोटा दक्षिण से राखी गौतम, किशनगंज से निर्मला सहरिया, बामनवास से इंदिरा मीणा, धौलपुर से शोभारानी कुशवाह, भोपालगढ़ से गीता बरबड़, अजमेर दक्षिण से द्रौपदी कोली, जायल से मंजू मेघवाल, अनूपगढ़ से शिमला नायक, सादुलपुर से कृष्णा पूनिया, कामां से जाहिदा खान, हिंडौन से अनिता जाटव शामिल हैं।

भाजपा ने इनको उतारा: भाजपा ने विद्याधर नगर से दीया कुमारी, सूरजगढ़ से संतोष अहलावत, बागीदौरा से कृष्णा कटारा, राजसमंद से दीप्ति, नागौर से ज्योति मिर्धा, मकराना से सुमित्रा भींचर, बीकानेर पूर्व से सिद्धि कुमारी, सुजानगढ़ से संतोष, लाडपुरा से कल्पना देवी, झालरापाटन से वसुंधरा राजे, केशोरायपाटन से चंद्रकांता, भोपालगढ़ से कमसा, सोजत से शोभा चौहान, राजाखेड़ा से नीरजा शर्मा, अजमेर दक्षिण से अनिता भदेल, जायल से डॉ. मंजू, अनूपगढ़ से संतोष बावरी, सादुलपुर से सुमित्रा पूनिया, कामां से नौक्षम, हिंडौन से राजकुमारी जाटव से मैदान में उतारा है।

जोधपुर में खरगे ने जमकर की मुख्यमंत्री की तारीफ, कहा...

गहलोत पानी जैसे निर्मल... जो सबको साथ लेकर चले

- मुख्यमंत्री ने बड़ी बहन से आशीर्वाद लेकर भरा नामांकन
- जनसभा में शामिल हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरने ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत का स्वभाव पानी जैसा निर्मल है। पानी का रंग क्या होता है? नीला मिलाओ, नीला होता है। गहलोत पानी की तरह सबको साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत पांच बार सांसद और पांच बार विधायक बने। एक नेता का दस बार चुनकर आना बड़ी बात होती है। इससे उनकी लोकप्रियता स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने जयपुर जितना ही जोधपुर में विकास करवा दिया है। हालांकि इस बीच उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि इसका यह मतलब नहीं है कि आप ये बोल दें कि जोधपुर को ही राजधानी बना देनी चाहिए।

पीएम मोदी को झूठों का सरदार कहना गलत नहीं: खरगे

खरगे ने कहा कि जो लोग देश में अच्छा काम कर रहा है उन्हें भाजपा और केंद्र सरकार परेशान कर रही है। चंद लोग कांग्रेस पार्टी और देश का भला नहीं चाहते। आजादी के बाद कांग्रेस पार्टी ने देश के लिए काम किया, लेकिन मोदी सरकार देश में कुछ नया नहीं लाई। साल 2014 में मोदी जब सत्ता में आए थे तो कहा था कि देश के बाहर, जो कालाधन है वह देश में लाकर लोगों के खाते में 15-15 लाख रुपए डालेंगे, फिर क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा कि मोदी दो करोड़ नौकरियों की बात करते हैं, लेकिन दी किसी को? नहीं उल्टे छीन ली। अगर वे मोदी को झूठों के सरदार कहें, तो यह गलत नहीं होगा।

देश में ईडी ने मचा रखा है आतंक: गहलोत

सीएम गहलोत ने जनता से एक बार फिर 'मैं थांसू दूर नहीं' का भरोसा दिलाते हुए समर्थन मांगा। उन्होंने कहा कि आज ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स संस्थाएं केंद्र सरकार के दवाब में काम कर रही हैं। जिस संस्थान का काम आर्थिक अपराधियों को पकडऩे का है, उसे मोदी सरकार ने विपक्ष की सरकारों को गिराने के काम में लगा दिया है। उन्होंने कहा कि वैभव गहलोत का दुनिया में कहीं भी एक रुपया भी नहीं लगा है, फिर भी ईडी का नोटिस भेजा जा रहा है। डोटासरा के बेटों को पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के घर 6 महीने से ईडी बैठी हुई है। देश में ईडी का आतंक मचा रखा है। ये चुनाव में बड़ा मुद्दा बनेगा। केंद्र सरकार गांधी परिवार को टारगेट करती है, लेकिन वे ये नहीं जानते कि इसी परिवार के लोगों ने देश के लिए अपनी जान दे दी। पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश बना दिया।

गहलोत की संपत्ति बढ़ी

नामांकन के दौरान पेश शपथपत्र में गहलोत की संपत्ति में बढ़ोतरी हुई है। एफिडेविट के मुताबिक उनके पास कोई कार नहीं है। उन्होंने एक करोड़ 93 लाख की अपनी और पत्नी की 86 लाख 72 हजार रुपए चल संपत्ति तथा 8 करोड़ 32 लाख की अचल संपत्ति अपने नाम और 55 लाख रुपए की पत्नी के नाम बताई है। पिछली बार यह 4 करोड़ 59 लाख थी, जबकि पत्नी के नाम 50 लाख की संपत्ति बताई थी। इसके अलावा उनके खिलाफ चार मामले भी दर्ज हैं। इनमें केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दायर मानहानि का मामला भी है।

राजे का पलटवार: कांग्रेस पर बरसीं पूर्व CM वसुंधरा, बोलीं...

कांग्रेस की योजनाएं एक जेब से पैसा निकाल दूसरी में डालने जैसी

बेधड़क | जयपुर

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा जाते-जाते शुरू की गई मुफ्त उपहार देने की योजनाएं 'एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी हैं।' भाजपा की वरिष्ठ नेता राजे ने सोमवार को हनुमानगढ़, नोहर और बहरोड़ में पार्टी प्रत्याशियों के नामांकन सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा जाते-जाते शुरू की गईं मुफ्त उपहार देने की योजनाएं 'एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी हैं।' उन्होंने कहा, 'ईंधन उपकर के नाम पर बिजली के बिल में पहले तो जनता से साढ़े 56 करोड़ वसूल लिए, अब उसमें से कुछ हिस्सा मुफ्त बिजली के नाम पर दे रही है, यानी लूटा ज्यादा दिया कम।' उन्होंने कहा कि साढ़े चार साल कांग्रेस ने जनता को आहत किया, अब चुनाव आए तो राहत का नाटक करने लगी। जबकि भाजपा झूठे वादे नहीं करती।

पेपरलीक पर लिया आड़े हाथ

वसुंधरा ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक के कारण युवाओं ने आत्महत्या की। आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी राजस्थान में है। भाजपा सरकार आएगी और प्रश्नपत्र लीक न हो, इसका इंतजाम करेगी। राजे ने कहा कि बहरोड के साथ-साथ कई क्षेत्रों के लिए जीवनदायिनी पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) का काम हमने पिछले कार्यकाल में शुरू किया था, लेकिन इस सरकार ने इसे राजनीति में उलझा दिया। अब हमारी सरकार आएगी और इस काम को गति मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास की पहली घटना

मैथ्यूज को 'टाइम आउट' के कारण दिया आउट

एजेंसी | नई दिल्ली

बांग्लादेश बनाम श्रीलंका के बीच दिल्ली में हुए मैच में मैथ्यूज के विकेट पर काफी बवाल मचा। दरअसल, 'टाइम आउट' के चलते अंपायरों ने उन्हें बिना कोई गेंद खेले पवेलियन भेज दिया। अब इस मुद्दे पर फोर्थ अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार मैथ्यूज को आउट दिया गया है, क्योंकि वह तय समय के अंदर गेंद खेलने के लिए तैयार नहीं थे और उनके हेलमेट का स्ट्रैप टूटा उससे पहले ही वे दो मिनट बर्बाद कर चुके थे, जबकि नियमानुसार 120 सेकंड का समय है। इंटरनेशनल क्रिकेट में यह 'टाइम आउट' की पहली घटना है। बहरहाल, यह मैच बांग्लादेश ने तीन विकेट से जीत लिया।

शाह की आज नागौर में चार चुनावी सभाएं

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को प्रदेश के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वे नागौर जिले में कुचामन, मकराना और परबतसर में चुनावी जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए जन समर्थन मांगेंगे। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी ने बताया कि शाह सुबह 11:15 बजे कुचामन, 1 बजे मकराना, 2:30 बजे बिदियाद और 3:30 बजे परबतसर में संबोधित करेंगे

सराहनीय... अनुकरणीय

ताउम्र कमाए 10 करोड़ रुपए... दे दिए अपने बचपन की स्कूल को दान

- पेड़ के नीचे पढ़ते मिले बच्चों को देखकर दिल हुआ बहुत दुखी
- कारोबार को बेचकर स्कूल की कायाकल्प करने की ठानी
- 3000 विद्यार्थी करेंगे अध्ययन, पढ़ाई के साथ खेलों की भी बढ़ावा

बेधड़क | जयपुर

क्या आप यकीन करेंगे कि गांव के एक सरकारी स्कूल की कायाकल्प करने के लिए पूर्व छात्र अपना कारोबार बेचकर 10 करोड़ रुपए दान कर सकता है, लेकिन यह कर दिखाया है स्कूल के पूर्व छात्र एसएन लड्डा ने।

पचास साल पहले लड्डा भीलवाड़ा जिले के फूलियां कलां के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। दो साल पहले ही उन्हें अपने बचपन के स्कूल की याद आई और वे उसे देखने गांव पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि छात्र पहले की तरह से पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। यह देखकर उन्हें दुख हुआ और कुछ करने की ठानी। काफी सोच विचार के बाद उन्होंने तय किया कि वे अपने कारोबार को बेचकर इस स्कूल की कायाकल्प करेंगे। बस इसके बाद क्या था। उन्होंने स्कूल के विकास के लिए 10 करोड़ रुपए दान कर दिए और आज उनका सपना साकार हो रहा है।

बिट्स पिलानी से इंजीनियरिंग और आईआईएम, कोलकाता से मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी करने वाले एसएन लड्डा कहते हैं कि स्कूल के छात्रों ने हॉकी में कई उपलब्धियां हासिल की हैं, इसलिए इसे हॉकी गांव कहा जाता है।

इसी विजन को लेकर लड्डा ने खेल के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्कूल बनाने की ठानी।

रोल मॉडल बनेगा स्कूल

अब यह स्कूल क्षेत्र में एक रोल मॉडल बनने के लिए तैयार हो रहा है। यह स्कूल 90,000 वर्ग फीट क्षेत्र में निर्मित होगा। और इसमें 82 कमरे होंगे। इसमें सभी कक्षाएं स्मार्ट होंगी। यहां 150 किलोवाट रूफ टॉप सोलर सिस्टम लगा होगा।

नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

एसएन लड्डा ने कहते हैं कि पिछले 50 सालों में देश में बहुत कुछ बदला है, लेकिन गांव में कुछ भी अधिक नहीं बदला है। जब चारों तरफ प्रगति हो रही है। नई सड़कें, बिजली, आधुनिक संसाधन बढ़ते जा रहे हैं तो स्कूल का बुनियादी ढांचा वैसा ही क्यों रहना चाहिए? फिर स्कूल के बुनियादी ढांचे में सुधार करने का विचार आया। मुझे लगा कि स्कूल की शिक्षा की बदौलत में मैं यहां तक पहुंचा हूं। अब नई पीढ़ी के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलना चाहिए, इसी सोच के साथ मैंने इसकी शुरुआत की।

स्कूल की यूएसपी होगी हॉकी एस्ट्रोटर्फ

लड्डा कहते हैं कि स्कूल की यूएसपी हॉकी एस्ट्रोटर्फ होगी, जो वर्तमान में राजस्थान के केवल दो शहरों में उपलब्ध है। इसलिए स्कूल की योजना एक स्टेडियम की तरह बनाई है। इसके दोनों छोर पर वरिष्ठ और प्राथमिक ब्लॉकों के लिए मंडप होंगे और बीच में एस्ट्रोटर्फ होगा। एथलेटिक ट्रैक बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और कबड्डी के सिंथेटिक कोर्ट होंगे। शैक्षणिक बुनियादी ढांचे में वरिष्ठ ब्लॉक में 1800 छात्रों और प्रारंभिक कक्षाओं के लिए 1200 छात्रों की क्षमता होगी। साथ ही 3000 छात्रों के साथ अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के लिए दो-दो पारियों में स्कूल चलाने का प्रस्ताव है।

जरूरी खबर

भ्रष्टाचार के पैसों से चुनाव लड़ना चाहती है सरकार

हनुमानगढ़। भाजपा के प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी ने सोमवार को गहलोत सरकार पर जमकर हमला बोला। कलेक्ट्रेट ऑफिस में भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर, गोपाल शर्मा और चंद्र मनोहर बटवाड़ा के नामांकन पत्र भरवाने आए जोशी ने गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार और ईडी की कार्रवाई पर उठाए जा रहे सवाल को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिस तरह आरपीएससी में पेपर लीक के घोटाले हुए और आईटी विभाग में करोड़ों रुपए और सोने की सिल्लियां मिली हैं। उसके बाद भी अगर गहलोत सरकार ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाते हैं, तो यह सोचने का विषय है।

शत प्रतिशत मतदान के लिए किया जागरूक

बेधड़क, जयपुर। विधानसभा चुनावों में शत प्रतिशत मतदान को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित के निर्देशन में जयपुर के एक निजी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में जन-जन से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह की मौजूदगी में आयोजित हुए कार्यक्रम में छोटकी और वोटकी ने अपने रोचक नाट्य अभिनय से दर्शकों को मतदान के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जिला स्वीप नोडल अधिकारी ने युवाओं एवं आमजन को मतदान की शपथ भी दिलाई।

उपहार सहकार मेले में सस्ती दरों मिलेगी सामग्री

बेधड़क, जयपुर। उपभोक्ता संघ की ओर से भवानी सिंह रोड़ स्थित नवजीवन सहकारी बाजार में उपहार सहकार दीपोत्सव मेला 11 नवम्बर को सुबह 11 से रात 9 बजे तक आयोजित होगा। उपभोक्ता संघ के महाप्रबंधक राजेन्द्र सिंह ने बताया कि मेले का मुख्य आकर्षण शिवकाशी (तमिलनाडू) के ग्रीन पटाखे हैं। जिन पर 60 से 75 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। मेले में एमएमटीसी-पैम्प के सोने एवं चांदी के सिक्के उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। मेले के माध्यम से दीपावली सीजन पर उपभोक्ताओं को एक ही छत के नीचे आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

रथ यात्रा को सीएम गहलोत करेंगे रवाना, 135 विधानसभा सीटें करेगी कवर

मोती डूंगरी मंदिर से कांग्रेस की गारंटी यात्रा का शुभारंभ आज

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन का सिलसिला सोमवार को थम गया। अब पार्टियां अपनी जीत को लेकर प्रदेशभर में अपने प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं कर प्रचार-प्रसार करेंगी। कांग्रेस मंगलवार को गारंटी यात्रा शुरू करेगी।

यह यात्रा राजस्थान की 135 विधानसभाओं में जाकर सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देगी। यात्रा की शुरुआत राजधानी जयपुर से सीएम अशोक गहलोत करेंगे।

यात्रा की शुरुआत जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर से होगी और प्रदेश के सभी संभागों के लिए रथ रवाना होंगे। इस यात्रा को सफल बनाने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी भी आ सकते हैं। यह यात्रा सात संभागों जयपुर, जोधपुर, जयपुर, अजमेर, बीकानेर, कोटा और फिर भरतपुर में आयोजित होगी। यात्रा के पहले दिन हर संभाग में सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

■ छह बड़े रोड शो का होगा आयोजन

ये है कांग्रेस की सात गारंटी

- 2 रुपए किलो गोबर खरीद।
- कॉलेज स्टूडेंट्स को फ्री लैपटॉप।
- अंग्रेजी मीडियम से पढ़ाई।
- ओपीएस गारंटी कानून।
- प्राकृतिक आपदा पर 15 लाख का बीमा।
- 1.04 करोड़ परिवारों को 500 में गैस सिलेंडर।
- गृहलक्ष्मी गारंटी योजना।

संभागों की जिम्मेदारी तय

प्रदेश के 7 संभागों रथ यात्राओं और सभाओं को लेकर कांग्रेस ने वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। अजमेर में सचिन पायलट, उदयपुर में डॉ. सीपी जोशी, जोधपुर में हरिश चौधरी, बीकानेर में गोविंद राम मेघवाल, जयपुर में भंवर जितेंद्र सिंह, मोहन प्रकाश को भरतपुर, प्रमोद जैन भाया को अंता की जिम्मेदारी दी गई है। इसी के साथ यात्रा को सफल बनाने के लिए काजी निजामुद्दीन, वीरेंद्र सिंह राठौड़ और अमृता धवन अपने-अपने क्षेत्रों में समन्वयक के रूप में काम करेंगे। गौरतलब है कि गारंटी कार्ड कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है जो कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान खूब चला था। इसके दम पर कांग्रेस कर्नाटक में शुरुआती कयासों के उलट प्रचंड बहुमत लाने में कामयाब रही। इसे देखते हुए कांग्रेस ने राजस्थान में सात गारंटी देने का ऐलान किया है।

भाजपा ने महिला नेताओं को उतारा चुनाव प्रचार में

प्रदेश में कांग्रेस ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए महिला केंद्रित कल्याण योजनाओं और "गारंटी" पर भरोसा कर रही है तो वहीं भारतीय जनता पार्टी ने जमीनी स्तर पर पैठ बनाने के लिए अन्य राज्यों की महिला नेताओं को चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतारा है। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य महिला मोर्चा की प्रभारी दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि "राजस्थान के चुनाव महिला मतदाताओं की बड़ी भूमिका रहती है। चूंकि राज्य में 50 फीसदी महिला मतदाता हैं ऐसे में उन तक पहुंच बनाना जरूरी है। महिलाओं का वोट हमेशा भाजपा को जाता रहा है। इसका कारण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी जो कहते हैं वो करते हैं।"

प्रदेशभर में सीएम गहलोत समेत कई दिग्गजों ने भरा नामांकन

अंतिम दिन 1543 प्रत्याशियों ने भरे 1974 नामजदगी पर्चे

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन का अंतिम दिन रहा। सोमवार को पूरे प्रदेश में 1543 प्रत्याशियों ने 1974 नामांकन पत्र दाखिल किए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में कुल 2605 उम्मीदवारों ने 3436 नामांकन पत्र भरे।

गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक 31-31 उम्मीदवारों ने आदर्श नगर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में नामांकन भरे। इसके बाद सांगानेर में 29, कामां में 28, आहोर अजमेर उत्तर में -2727 और सूरसागर में 26 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे। सबसे कम 4-4 उम्मीदवारों ने दूदू और लालसोट में, चौहटन में 5 उम्मीदवारों और रेवदर एवं चाकसू विधानसभा क्षेत्रों में 6-6 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरे। आखिरी दिन सीएम गहलोत समेत प्रदेश के कई दिग्गज नेताओं ने नामांकन दाखिल किए।

उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच 7 नवम्बर को सुबह 11 बजे से रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में ऑब्जर्वर की उपस्थिति में होगी और नामांकन वापसी की अंतिम तारीख 9 नवम्बर है।

■ कुल 2605 उम्मीदवारों ने 3436 नामांकन पत्र दाखिल किए

सरदारपुरा सीट से गहलोत ने भरा पर्चा

सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर की सरदारपुरा सीट पर नामांकन दाखिल किया। गहलोत के अलावा संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, अल्पसंख्यक मंत्री सालेह मोहम्मद, ओसियां से विधायक दिव्या मदरेणा, कर्नल सोनाराम चौधरी ने भी नामांकन दाखिल किया। वहीं कांग्रेस के साथ गठबंधन में शामिल आरएलडी के नेता और विधायक डॉक्टर सुभाष गर्ग ने भी भरतपुर सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। वहीं केकड़ी विधानसभा क्षेत्र से डॉ. रघु शर्मा और पुष्कर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की नसीम अख्तर ने नामंकन पत्र भरा। वहीं भाजपा उम्मीदवारों में पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल, प्रोफेसर महेंद्र सिंह राठौड़, विधायक गिर्राज मलिंगा, सुरेश सिंह रावत, अनिता भदेल और उपेन यादव ने पर्चा भरा।

शुरू होगी बागियों को मनाने की कवायद

नामांकन भरने के बाद अपने प्रमुख पार्टियों के उम्मीदवार के सामने सबसे बड़ा टास्क बागियों को मनाने का रहेगा। दोनों की पार्टी के उम्मीदवारों के बागियों ने इस बार निर्दलीय के रूप में बड़ी संख्या में ताल ठोक दी है। चुनाव आयोग ने नाम वापस लेने की तारीख नौ नवम्बर घोषित की है। ऐसे में सभी प्रत्याशी निर्दलीय को मनाने में जुट गए हैं।

भाजपा और कांग्रेस के बागी मैदान में

इनके अलावा भाजपा और कांग्रेस के कई बागियों ने भी सोमवार को नामांकन दाखिल किया। जिनमें चित्तौड़गढ़ से भाजपा विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, भाजपा नेता और पूर्व मंत्री यूनुस खान, छात्र नेता रविंद्र भाटी, पूर्व विधायक तरुण राय खागा, पूर्व विधायक डॉ गोपाल बाहेती ने भी अपना नामांकन दाखिल किया।

मसूदा से भाजपा ने बदला प्रत्याशी

अभिषेक की जगह वीरेन्द्र सिंह कानावत को दिया टिकट

■ राजपूत समाज और BJP कार्यकर्ताओं में था भारी आक्रोश

बेधड़क | जयपुर

भाजपा ने मसूदा विधानसभा सीट पर प्रत्याशी घोषित करने के 12 घंटे के अंदर ही अपना प्रत्याशी बदल लिया। भाजपा ने अभिषेक सिंह चौहान जगह पर मसूदा से पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह कानावत को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा है। अभिषेक सिंह पर तथ्य छिपाने के आरोप के बाद पार्टी ने तुरंत उनका टिकट काट दिया। भाजपा देहात अध्यक्ष देवी शंकर भूतड़ा ने बताया कि मसूदा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी बने अभिषेक चौहान मेहरात को लेकर राजपूत समाज और भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश हो रहा था। बिजयनगर में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और आमजन ने सथाना बाजार में प्रत्याशी का पुतला फूंककर जमकर नारेबाजी की।

अभिषेक पर जाति छिपाने का आरोप

देवी शंकर भूतड़ा ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी रहे अभिषेक का मसूदा क्षेत्र से कोई लेना देना नहीं है। इनके नाम पर भारी आक्रोश व्याप्त हो गया था। उनहोंने बताया कि अभिषेक ने अपनी जाति छुपाई है और पूर्व में ये निर्दलीय भी चुनाव लड़ चुके हैं। आखिर क्यों इन्होंने अपनी जाति को छुपाया है? वहीं पुराने रिकॉर्ड में इनकी जाति मेहरात है, जिसको लेकर बिजयनगर के भाजपा के सभी पार्षद, भाजपा मसूदा विधानसभा के मंडल के पदाधिकारी और पालिकाध्यक्ष ने इकट्ठे होकर पार्टी के इस निर्णय का भारी विरोध करना शुरू कर दिया था।

राज बब्बर, शशि थरूर जैसे नामी चेहरे करेंगे प्रचार

कांग्रेस के स्टार प्रचारकों का ऐलान

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में गांधी परिवार के तीनों सदस्यों के अलावा राज बब्बर, शशि थरूर, कन्हैया कुमार समेत कई नामी चेहरे शामिल है।

सूची के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सीएम अशोक गहलोत, केसी वेणुगोपाल, सुखजिंदर रंधावा, सचिन पायलट, गोविंद डोटासरा, डॉ. सीपी जोशी, राज बब्बर, हरिश चौधरी, भूपिंदर सिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक, तारीक अनवर, जितेंद्र सिंह, मधुसूदन मिस्त्री, शशि थरूर, गौरव गोगई, सुखविंदर सिंह सुख्खू, मोहन प्रकाश, प्रताप सिंह बाजवा, चरंजीत सिंह चन्नी, शक्ति सिंह गोहिल, शकील अहमद खान, कन्हैया कुमार, पवन खेड़ा, महेंद्र मालवीया, गोविंद राम मेघवाल, काजी मोहम्मद निजामुद्दीन, वीरेंद्र सिंह राठौड़, अमृता धवन, नीरज डांगी, धीरज गुर्जर, अमरिंदर सिंह राजा वॉरिंग, जिग्नेश मेवानी, बी वी श्रीनिवास, नीरज कुंदन प्रमोद जैन भाया, ममता भूपेश को स्टार प्रचारक बनाया गया है।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने भाजपा को घेरा

भाजपा ने आदिवासी समाज की उपेक्षा की

बेधड़क | चूरू

सांसद एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने सोमवार को कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपनी ओर से आदिवासी समाज को प्रत्याशी के तौर पर सबसे ज्यादा 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिया है।

वहीं एसटी रिजर्व सीट नहीं होने पर भी आदिवासियों को उम्मीदवारबनाया है। वहीं भाजपा ने केवल 30 प्रतिशत आदिवासियों को मौका दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा अनुसूचित जाति को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देते हुए 34 प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारे हैं। गोहिल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वास्तव में महिला सम्मान की नीयत रखती है, इसलिए 25 महिला प्रत्याशियों को मौका दिया गया। जबकि भाजपा ने केवल 16 महिलाओं को टिकट देकर नारी सम्मान के प्रति कोरी जुमलेबाजी व झूठा नारी शक्ति वंदन व्यक्त किया है। वहीं कांग्रेस की ओर से 40 से कम उम्र के तकरीबन 40 युवाओं को प्रत्याशी बनाया गया है औरकांग्रेस ने मुस्लिम वर्ग के 15 योग्य उम्मीदवारों को चुना है। जबकि कट्टरता को अभिव्यक्त करते हुए भाजपा ने किसी भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है। कांग्रेस पार्टी ने एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवादल, पार्टी जिलाध्यक्ष, एआईसीसी पदाधिकारी सहित एक्स आर्मी मैन और पीएचडी व उच्च शिक्षा प्राप्त योग्य प्रत्याशियों का चयन किया है।

विधानसभा चुनाव 2023: बसपा ने 200 प्रत्याशी मैदान में उतारे

निर्दलीय और तीसरा मोर्चा बदलेगा भाजपा-कांग्रेस की सियासी गणित

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव में छोटी पार्टियां बीजेपी और कांग्रेस के लिए मुसीबत खड़ी कर सकती हैं।

प्रदेश में आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और भारतीय आदिवासी पार्टी सहित कई छोटे दल हैं जो राजस्थान में तीसरा मोर्चा बनकर उभरे हैं।

इस बार के चुनाव में तीसरे मोर्चे मुख्य पार्टियों की रणनीति को प्रभावित कर सकता है। गौरतलबहै कि पिछली बार विधानसभा चुनाव में छोटी पार्टियों को 10-15 प्रतिशत वोट मिले थे। साल 2018 में हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव में इन छोटे दलों ने 14 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की थी और चुनाव में 13 निर्दलीय प्रत्याशी भी विजयी हुए थे।

■ 10 प्रतिशत से अधिक वोट जुटा सकता है थर्ड फ्रंट

मजबूती से चुनाव लड़ने का दावा

प्रदेश में इस बार तीसरे मोर्चे ने मजबूती के साथ अपने उम्मीदवार मैदान में उतारें हैं। बीएसपी के 200, आम आदमी पार्टी ने 88, आरएलपी ने 73, आजाद समाज पार्टी ने 63 प्रत्याशी मैदान में उतारें हैं। इसके अलावा 50 से कम सीटों हैं जहां बीटीपी, माकपा, एआइएमआइएम, बीएपी समेत अन्य दलों के प्रत्याशी घोषित किए हैं।

बागियों पर थी नजर

तीसरे मोर्च के रूप में इस बार आरएलपी और आप दोनों पार्टियों ने भाजपा और कांग्रेस के बागियों को साधने की कोशिश की है। नामांकन के आखिरी दिन तक प्रदेशभर में बागियों के दल बदलने का दौर जारी रहा है। आरएलपी की पूरी सूची पर नजर डालें तो अधिकतर कांग्रेस के बागियों को टिकट दिया गया है। वहीं बहुजन समाजवादी पार्टी ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतार कर दोनी पार्टियों के गणित को बिगाड़ने का प्रयास किया है। राजनीतिक विश्लेषकों की माने तो तीसरे मोर्चे से इस बार सबसे अधिक नुकसान कांग्रेस पार्टी को हो सकता है।

आरएलपी, एएसपी का गठबंधन

हनुमान बेनीवाल की पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (एएसपी-कांशीराम) का गठबंधन कांग्रेस की नैया डुबो सकता है, इसका प्रमुख कारण है जाट और दलित वोट जो कि परंपरागत रूप से कांग्रेस के वोटर माने जाते हैं। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि इन दोनों पार्टियों का गठबंधन प्रदेश का सियासी समीकरण बदल सकता है। अगर विधानसभा चुनाव में जाट और दलित मतदाता एक हो जाते हैं तो यह कांग्रेस के लिए मुश्किल खड़ी कर सकते हैं। दरअसल इस गठबंधन के दोनों नेता चंद्रशेखर आजाद और हनुमान बेनीवाल की कोशिश है कि वह राजस्थान जाट मतदाता और दलित मतदाताओं को एक कर सियासत में अपनी मजबूत भागीदारी बना सकें। ये गठबंधन जाट और दलित मतदाताओं को एक मंच पर लाकर कांग्रेस का गणित बिगड़ने में अहम भूमिका निभा सकता है।

जरूरी खबर

मोहल्ला मीटिंग से दे रही पुलिस मतदान का संदेश

जयपुर। विधानसभा चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त सम्पन्न कराने को लेकर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ की ओर से लोगों के लिए मोहल्ला मीटिंग सहित अन्य गतिविधियां अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए जिले के सभी थानाधिकारी अपने क्षेत्रों में प्रतिदिन व्यापक स्तर मोहल्ला मीटिंग कर रहे हैं। पूरी तरह अनौपचारिक होने वाली बैठक में आम लोगों से विभिन्न विषयों पर खुलकर बातकर उन्हें मतदान और मताधिकार के बारे में जागरूक किया जाता है। कोई भी संदिग्ध गतिविधियों, बदमाशी या कोई अन्य परेशानी के बारे में पूछा जाता है। बैठकों के प्रति आमजन खासकर युवाओं के साथ ही महिलाओं का भी अब रुझान बढ़ने लगा है। वे कई मामलों में तो समाधान भी सुझाने लगे हैं।

सुबह-शाम हल्की ठंड, तो दोपहर खिली रही धूप

जयपुर। राजधानी में सोमवार को मौसम सामान्य रहा। सुबह के समय हल्की ठंड रही। इस समय चल रहे प्रदूषण के चलते आसमान में धूंध रही। दिन में धूप खिली रही। शाम को वापस ठंड के साथ हल्का कोहरा रहा। वहीं, बीती रात का न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह कुछ जगह हल्के बादल भी देखे गए, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही आसमान साफ हो गया। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव 9 नवंबर तक रहेगा। 10 नवंबर से उत्तर भारत हवाएं चलने लगेगी। इन हवाओं में इतनी ठंडक नहीं होने से मैदानी राज्यों हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में हल्की सर्दी का प्रभाव होगा। इसके साथ ही दीपावली पर पटाखों से उठने वाले धुंए से भी राहत मिलने की संभावना है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार

आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...

अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं

news@sachbedhadak.com

पर E- Mail करें।

देश के पहले आयुर्योग प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी विभाग की शुरुआत

हृदय रोग से बचाने के साथ ही जागरूक भी करेगा एनआईए

बेधड़क | जयपुर

सर्दियों में हृदय रोगियों की संख्या एकाएक बढ़ जाती है। पहले जहां अधिक उम्र लोगों में ही यह हृदय रोग होता था, अब कम उम्र लोगों में भी हृदय रोग घर करने लगता है। इस बीच ऐसे लोगों के जीवन को बचाने के लिए राजधानी के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) ने नई पहल की है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) ने अपने यहां देश का पहला आयुर्योग प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी विभाग की शुरुआत की है। एनआईए कुलपति डॉ. संजीव शर्मा के निर्देशन में शुरु

यह विभाग बढ़ते हृदय रोगियों की संख्या को तो रोकेगा ही, साथ ही लोगों में हृदय रोग हो ही नहीं, इसके लिए जागरूकता का काम करेगा।

खास बात यह है कि आयुर्योग प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी विभाग ने कुछ ऐसे मरीजों का इलाज कर राहत दी है, जिनका पूर्व में कहीं हृदय का बड़ा ऑपरेशन हो चुका है, या फिर हृदय की जटिल बीमारी के कारण दूसरी चिकित्सा पद्धति काम नहीं कर रही थी। विभाग की ओर से अब तक ऐसे 300 करीब हृदय रोगियों को इलाज देकर लाभान्वित किया गया है।

ऐसे किया जाता है उपचार

एनआईए में आयुर्योग प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीप्ति विष्ट ने बताया कि अस्पताल में हृदय रोग के मरीजों के जीवन को बचाने के लिए आयुर्वेद के माध्यम से इलाज किया जाता है। इन मरीजों में बीपी, शुगर, मोटापे व बढ़े हुए कोलेस्ट्रोल या फिर जिनकी हृदय रोग की फेमिली हिस्ट्री के मरीज आते हैं। इन हृदय रोगियों का जीवन शैली में बदलाव, योग, खान-पान हल्की कसरत, आयुर्वेदिक दवाइयां व रसायनों आिद के माध्यम से इलाज किया जाता है, जिन्हें ये अपनाकर पूर्ण रूप से हृदय रोग से बच सकते हैं।

पांच डॉक्टरों की नियुक्ति

एनआईए में आयुर्योग प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी विभाग में पांच डॉक्टरों की नियुक्ति है। इनमें प्रोफेसर डॉ. रामकिशोर जोशी एचओडी, डॉ. उदय राज सरोज प्रोफेसर, डॉ. दीप्ति विष्ट ऐसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. अिभषेक उपाध्याय असिस्टेंट प्रोफेसर व डॉ. देवेश जैमन अिसस्टेंट प्रोफेसर के रूप में सेवा दे रहे हैं। अस्पताल की ओपीडी बिल्डिंग में हर गुरुवार और शनिवार को 22 नंबर कमरें में इस विभाग की ओपीडी चलती है। विभाग की ओर से एनआइए के साथ-साथ अन्य गांवों व शहरों में भी हृदय रोग शिविर लगाकर लोगों का ईलाज व करता है।

भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य दलों के 162 उम्मीदवारों ने भरे नामांकन

नैय्यर, शर्मा और कागजी ने भरा पर्चा, राजपाल निर्दलीय उतरे

सबसे ज्यादा आदर्श नगर से 31, सबसे कम दूदू से 4 पर्चे

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन के आखिरी दिन कई प्रत्याशियों ने अपने नामांकन दाखिल किए। नामांकन के बाद मंगलवार को आवेदकों के फॉर्मों की जांच की प्रक्रिया होगी। वहीं गुरुवार को नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख है। इधर, अंतिम सोमवार को जयपुर जिले की 19 सीटों पर 162 उम्मीदवार नामांकन भरने पहुंचे। वहीं 7 दिन चली इस नामांकन प्रक्रिया में जयपुर में 289 उम्मीदवारों ने 377 नामांकन फॉर्म भरें हैं। इनमें सबसे ज्यादा आदर्श नगर सीट 31 तो सबसे कम दूदू से 4 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा है।

नामांकन भरने वालों में झोटवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक चौधरी, चौमूं से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. शिखा मील बराला, जमवारामगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी गोपाल मीणा शामिल थे। साथ ही भाजपा से सिविल लाइन प्रत्याशी गोपाल शर्मा, आदर्श नगर प्रत्याशी रवि नय्यर, किशनपोल से प्रत्याशी चंद्रमोहन बटवाड़ा, शाहपुरा से प्रत्याशी उपेन यादव ने नामांकन भरा।

वहीं भाजपा से बागी होकर झोटवाड़ा से आशु सिंह सुरपुरा और राजपाल सिंह शेखावत ने पर्चा दाखिल किया। इसके अलावा विद्याधर नगर से कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल, हवामहल से आर आर तिवाडी, शाहपुरा से मनीष यादव ने पार्टी सिंबल जमा करवाया। नामांकन के आखिरी दिन कलेक्ट्रेट व संबंधित रिटर्निंग अधिकारी कार्यालयों के आसपास कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जबर्दस्त भीड़ भी रही।

गोपाल शर्मा

चंद्रमोहन बटवाड़ा

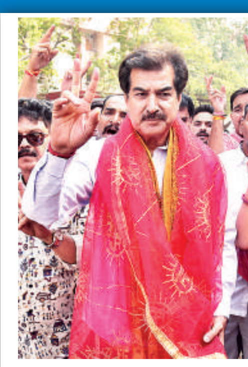
राजपाल सिंह

अभिषेक चौधरी

रवि नैय्यर

अमीन कागजी

इतने आए नामजदगी पर्चे

जानकारी के मुताबिक इस बार चुनाव में हवामहल से 19, सिविल लाइन से 18, झोटवाड़ा से 20, बगरू से 12, विद्याधर नगर में 19, किशनपोल से 17, मालवीय नगर से 12, आदर्श नगर में 31, विराटनगर से 15, शाहपुरा से 13, फुलेरा से 9, आमेर से 19, दूदू से 4, चाकसू से 6, बस्सी से 17, सांगानेर से 26, चौमूं से 11, जमवारामगढ़ से 10 और कोटपूतली से 11 प्रत्याशियों ने नामांकन फॉर्म आए हैं।

कांग्रेस से बागी राकेश ने दाखिल किया नामांकन

आमेर सीट से कांग्रेस से बागी राकेश मीणा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में फॉर्म भरा। गौरतलब है कि कांग्रेस ने आमेर से प्रशांत शर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं, भाजपा से आमेर विधानसभा सीट पर डॉ. सतीश पूनिया बीजेपी के प्रत्याशी हैं।

झोटवाड़ा के निर्णय से कार्यकर्ता असंतुष्ट

झोटवाड़ा सीट से कैबिनेट मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने निर्दलीय के रूप में नामांकन पत्र भरा। उन्होंने खुद को बागी नहीं बताते हुए पार्टी का कार्यकर्ता बताया और पार्टी से अगर कोई छोटी-मोटी गलती होती है, पार्टी के कार्यकर्ता उसे सुधारने का काम करते है। पार्टी ने जो झोटवाड़ा पर निर्णय लिया है, उससे यहां के कार्यकर्ता संतुष्ट नहीं है। इसलिए कार्यकर्ता के आह्वान पर यह फॉर्म भर रहे हैं। वहीं यही से भाजपा से जुड़े आशुसिंह सुरपुरा ने भी बागी होकर नामांकन पत्र भरा है। आशुसिंह ने खुद के साथ अपनी पत्नी के नाम से भी एक पर्चा दाखिल किया है।

रफीक खान को चुनौती नहीं मानता: रवि नैय्यर

भाजपा से आदर्श नगर विधानसभा सीट पर रवि नैय्यर ने सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया और नामांकन के बाद मीडिया से कहा कि अशोक परनामी से उनकी मुलाकात हो चुकी है और वे हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि वह कबड्डी के प्लेयर रहे हैं और खिलाड़ी को देखकर उन्हें और जोश आ जाता है। मैं रफीक खान को भी कोई चुनौती नहीं मानता और बहुत शानदार चुनाव लड़ूंगा। इसी प्रकार चंद्र मोहन बटवाड़ा ने भी सोमवार को किशनपोल विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। बाहरी और आंतरिक सुरक्षा के लिए वे मतदाताओं के पास जाएंगऔर उन्हें विश्वास दिलाएंगे वे अपनी जगह पर सुरक्षित है।

हत्या के आरोपी ढूंढने में फेल

चार साल में 24 मोरों का शिकार, आठ में पुलिस खाली हाथ

बेधड़क | जयपुर

राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकारियों को ढूंढने में प्रदेश की पुलिस फेल नजर आ रही है। पिछले चार साल में मोर का शिकार करने के प्रकरण बढ़े हैं। पुलिस मुख्यालय ने पिछले दिनों इस मामले में सभी जिलों से रिपोर्ट मांगी थी। उस रिपोर्ट में यह चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

हैरत की बात है कि इतना गंभीर मामला होने के बाद भी पुलिस इन घटनाओं पर अंकुश लगना तो दूर आरोपियों तक भी नहीं पहुंच पा रही है। चार साल में शिकारियों ने 24 मोर मार डाले। 15 मामलों में पुलिस ने 31 आरोपियों को भले ही गिरफ्तार कर लिया, लेकिन अभी तक पुलिस को आठ मामलों में आरोपियों की भनक भी नहीं लगी तो उनमें एफआर लगाने की तैयारी कर ली है। यह रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय ने सरकार के समक्ष भी रखी है। इस पर सरकार ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों को कार्रवाई के आदेश दिए हैं, लेकिन अभी तक आदेश कागजों से बाहर ही नहीं निकल पाए।

झालावाड़ में सबसे ज्यादा मोरों की हत्या

पड़ताल में सामने आया कि झालावाड़ में पिछले चार साल में राष्ट्रीय पक्षी मोर का सबसे ज्यादा शिकार हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने कुछ मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी भी की है, लेकिन तीन मुकदमों में आरोपियों की अभी तक पहचान नहीं हुई। जयपुर कमिश्नरेट दक्षिण जिले की पुलिस भी मोर हत्या का एक मुकदमा दर्ज किया था, लेकिन दो साल बीतने के बाद भी आरोपियों का सुराग नहीं लगा और केवल तफ्तीश के नाम पर फाइल को रख दिया।

यह है स्थिति प्रदेश में मोरों की हत्या की

जिला	मोर मारे
भीलवाडा	1
नागौर	1
जयपुर दक्षिण	1
झुंझुनू	3
भिवाडी	2
बूंदी	1
झालावाड़	6
बांरा	3
बांसवाडा	1
चित्तौड़गढ़	3
डूगंरपुर	1

गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए

मोर हत्या का मामला राष्ट्रीय मामला है। ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ तो तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। उच्च अधिकारी ऐसे मामलों की मॉनिटरिंग करें, ताकि कार्रवाई हो। थाने स्तर पर ऐसे मामलों में कोताही बरती जाती है।

अनिल गोठवाल, रिटायर्ड एडिशनल एसपी

एसीबी की जांच में खुलासा

घूस का कोड वर्ड था डॉक्यूमेंट, धमकी थी जेल या केस से फ्री होना

बेधड़क | जयपुर

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने घूस लेने के लिए एक कोड वर्ड तय कर रखा है। जब कभी भी किसी मामले में घूस मांगी जाती है तो अफसर सीधे तौर पर पेसों की डिमांड नहीं करके डॉक्यूमेंट की मांग करते थे।

यह खुलासा पिछले सप्ताह भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा निमराणा में प्रवर्तन निदेशालय इंफाल में कार्यरत प्रवर्तन अधिकारी के खिलाफ की गई कार्रवाई में हुआ है। दरअसल एसीबी ने ईडी के नवल किशोर मीणा व उसके बचपन के दोस्त कनिष्ठ सहायक बाबूलाल मीणा को 15 लाख रुपए की घूस लेते गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपी एसीबी रिमांड पर हैं।

पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नवल किशोर मीणा ईडी के प्रवर्तन अधिकारी हिमांशु गौतम और एडी एम शिवानंद के नाम से गुरुग्राम निवासी पेट्रोल पंप संचालक रविन्द्र से 20 लाख रुपए की घूस मांग रहे थे। एसीबी अब दोनों अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। हिमांशु गौतम ने रविन्द्र को पूछताछ के लिए इंफाल बुलाया था और जब रविन्द्र वहां पर पहुंचा तो हिमांशु गौतम में पूछताछ करने के बजाए उसको नवल किशोर मीणा की नसीहत दे दी। तब परिवादी नवल किशोर मीणा से मिला तो उसने धमकी दी कि जेल जाना है या फिर केस से फ्री होना है। धमकी देकर परिवादी से 20 लाख की डिमांड की। हालांकि, बाद में 17 लाख रुपए में सौदा तय हुआ।

21 लाख का चेक लगाया तो ईडी ने बुलाया

एसीबी की पड़ताल में सामने आया कि परिवादी रविन्द्र का पेट्रोल पंप था। रविन्द्र ने पेट्रोल पंप का एक सेमसन नाम के व्यक्ति को एग्रीमेंट कर दिया था। सेमसन ने रविन्द्र को 21 लाख रुपए का चेक दिया था। रविन्द्र ने वह चेक अपने खाते में जमा कर दिया और नगदी का ट्रांजेक्शन हो गया। इसके कुछ दिनों बाद ईडी ने सेमसन को एक चिटफंड के प्रकरण में गिरफ्तार कर लिया। तब ईडी ने सेमसन के खातों की जांच पड़ताल के बाद रविन्द्र को नोटिस देकर बुलाया था और जब रविन्द्र ईडी के ऑफिस में पहुंचा तो उसकी धमकी देकर घूस की डिमांड करने लगे।

18 दिन से दे रहे थे धमकी, तब एसीबी से मिला परिवादी

ईडी के प्रवर्तन अधिकारी ने नोटिस देकर 2 अक्टूबर को रविन्द्र को इंफाल स्थित ईडी के ऑफिस में बुलाया था। रविन्द्र की तबीयत खराब थी। तब रविन्द्र के परिचित ईडी ऑफिस पहुंचे। तब तक रविन्द्र को भनक नहीं थी कि आखिर ईडी उसको किस मामले में बुला रही है। जब रविन्द्र के परिचत ने हिमांशु से संपर्क किया तो उसने रविन्द्र को लाने की बात कही। तब रविन्द्र ईडी ऑफिस गया तो वहां पर उसको धमकी देने लगे कि प्रोपर्टी अटैच करेंगे और जेल भी भेजेंगे। इसके बाद नवल किशोर मीणा ने 20 लाख रुपए की डिमांड कर दी। रविन्द्र वहां घबरा गया और घूस देने के लिए तैयार हो गया। इसके बाद रविन्द्र जयपुर आया और उसने एसीबी को 20 अक्टूबर को शिकायत की। तब एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करके नवल किशोर मीणा व उसके बचपन के दोस्त बाबूलाल को गिरफ्तार कर लिया।

जरूरी खबर

क्रिकेटर आवेश खान ने की दरगाह पर जियारत

अजमेर। भारतीय क्रिकेट टीम के बॉलर आवेश खान सोमवार को परिवार सहित अजमेर पहुंचे और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में जियारत की। इसके साथ ही उन्होंने भारत की वर्ल्ड कप में जीत के लिए दुआ मांगी। दरगाह के खादिम सैयद असगर अली ने खान को दरगाह जियारत करवाई। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि एशियन गेम्स में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। वह ख्वाजा साहब की दरगाह में पेश करने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में इंडिया की टीम बेहतर पोजिशन पर है।

चलती बस में महिला ने बच्चे को दिया जन्म

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा में चलती रोडवेज बस में नन्हें बच्चे की किलकारी गूंजी। यहां एक महिला ने उदयपुर डिपो की रोजवेज बस में डांगपाड़ा के पास चलती बस में बच्चे को जन्म दिया है। यह घटना रविवार को लगभग दोपहर 2 बजे की है। जानकारी के अनुसार अनिता पत्नी राधेश्याम निवासी बाजना मध्यप्रदेश की रहने वाली है। वह अपने पति के साथ बाजना जाने के लिए उदयपुर से बांसवाड़ा के लिए आ रही थी। उसी दौरान प्रसव पीड़ा होने लगी। बस में सवार अन्य महिलाओं ने ड्राइवर को कहकर बस को बीच सड़क पर रुकवाया और महिला की डिलीवरी करवाई। बाद में उसे महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

डॉ. जीएस गौड़ बने डिप्टी डायरेक्टर फाइनेंस

पिलानी। बिरला एजुकेशन ट्रस्ट पिलानी के मुख्य वित्त अधिकारी डॉ. घनश्याम सिंह गौड़ का प्रमोशन किया गया है। बिरला एजुकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी सुदर्शन कुमार बिरला के निर्देश के बाद डॉ. घनश्याम सिंह गौड़ को प्रमोट करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद बीईटी डायरेक्टर मेजर जनरल एस. एस. नायर द्वारा डॉ. गौड़ को चीफ फाइनेंस आफिसर से डिप्टी डायरेक्टर फाइनेंस के पद पर पदोन्नत किया गया। डायरेक्टर नायर के अलावा सभी स्कूलों के प्रिंसिपल्स, स्टाफ, बीईटी कार्यालय के स्टाफ आदि ने डॉ. गौड़ को बधाई दी है।

संत सम्मेलन में संत-महंतों का सम्मान, स्थानीय के अलावा आस-पास के गांवों से उमड़े श्रद्धालु

सवा करोड़ आहुतियों के साथ सीताराम महायज्ञ की पूर्णाहुति

बेधड़क | शाहपुरा

त्रिवेणी धाम में आयोजित 108 कुंडीय श्रीसीताराम महायज्ञ के समापन पर श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ी नजर आई। महायज्ञ के दौरान करीब सवा करोड़ आहुतियां लगाई गई। इस दौरान जीवंत झाकियों, रामलीला एवं संतों के आशीर्वचन से माहौल राममय हो उठा।

इस दौरान त्रिवेणी धाम में लख्खी मेले जैसा माहौल नजर आया। महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर यज्ञ भगवान का आशीर्वाद लिया तथा खुशहाली की कामना की। महायज्ञ में प्रधान कुंड पर संत रामरिछपाल महाराज, धन्ना पीठाधीश्वर बजरंगदेवाचार्य, बाहुबल देवाचार्य, राममनोहर दास, सियारामदास महाराज, अवधेश दास, अयोध्या दास, बनारसी दास, रामचरण दास, राजू दास, दिनेश दास, साध्वी सुनीता बहन, मेवा दीदी, रामशरण दास महाराज सहित कई साधु संतो ने पूर्णाहुति दी। महायज्ञ की सफल पूर्णाहुति पर आयोजित संत सम्मेलन में संत रामरिछपाल दास महाराज को शॉल ओढाकर सम्मान किया गया। वहीं खाकी अनी अखाड़े के महंत मोहनदास महाराज, इंदौर के मंगलदास महाराज, वृंदावन के माधव दास महाराज, छत्तीसगढ़ निर्मोही अखाड़े के मंत्री नरेंद्र दास महाराज, उज्जैन के मंगलदास महाराज, हरिद्वार के प्रेमदास महाराज, विष्णु दास महाराज, सूरत के रामनरेश दास महाराज, अहमदाबाद के जयरामदास महाराज सहित देशभर से आए साधु-संतो ने हिस्सा लिया। जिनको भेंट दक्षिण देकर विदाई दी गई। पंडित रमाकांत टीलावत व जितेंद्र शर्मा ने बताया कि राम मंत्र, पुरुष सूक्त एवं मूल रामायण की 14 लाख आहुतियां लगाकर लक्ष्मी हवन करवाकर महायज्ञ की पूर्णाहुति की गई।

महाआरती में दीपों की झिलमिल

महायज्ञ पूर्णाहुति के बाद महाआरती की गई। इस दौरान यज्ञ पांडाल दीपों की झिलमिल से रौशन नजर आया। सभी कुंडों पर मौजूद यजमानों ने थाली में पांच दीपक सजाकर आरती उतारी। यज्ञाचार्य पं. दिनेश त्रिवेदी ने सभी विद्वानों एवं संत-महंतों का आभार जताया। महायज्ञ में विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष राव राजेंद्र सिंह, एडवोकेट अतुल पारीक, मनीषा पारीक, सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

व्यवस्थाओं में इनका रहा सहयोग

महायज्ञ की व्यवस्था सुचारू रखने में कार्यकर्ताओं की अलग-अलग टीमें बनाई गई थी। इसमें वैध भरत मल शर्मा, रामेश्वर ताखर, रामलाल जाट, मोनू शर्मा, हनुमान स्वामी, भूपेंद्र सिंह शेखावत, मदन लाल सैन, खेमचंद त्रिवेदी सहित ग्राम स्वामीपुरा, देवीपुरा, बाड़ीजोड़ी नाथावाला, चिमनपुरा, उदावाला आदि गांव के लोगों ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

चार की मौत व 29 सवारियां जख्मी, मौके पर मची चीख-पुकार

पुलिया पर चालक को आई नींद, स्लीपर कोच 30 फुट नीचे गिरी

बेधड़क | दौसा

जिले में रविवार देर रात एक स्लीपर कोच बस के चालक को नींद की झपकी आने से भीषण सड़क हादसा हो गया। चालक को आई झपकी के बाद बस ओवरब्रिज की रेलिंग को तोड़ते हुए करीब 30 फीट नीचे जा गिरी।

हादसा इतना भीषण था की मौके पर सवारियों की चीख-पुकार मच गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई वहीं 29 सवारियां घायल हो गईं। बस में करीब 35 से ज्यादा यात्री थे, जो हरिद्वार में अस्थि विसर्जन की क्रिया कर अपने घर लौट रहे थे। घायल यात्री करीब एक घंटे तक बस में ही फंसे रहे। हादसे में गंभीर घायल हुए सात यात्रियों को जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल रेफर किया गया है। मृतकों में दो महिला और दो पुरुष शामिल है।

दौसा सदर थानाधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि यह हादसा नेशनल हाईवे 21 आगरा-जयपुर पर देर रात करीब 2:15 बजे हुआ। श्रीकृष्णा टूर एंड ट्रैवल्स की बस हरिद्वार से उदयपुर की तरफ जा रही थी। इस दौरान ओवरब्रिज पर पहुंचते ही बस के चालक को नींद की झपकी आ गई और बस ओवरब्रिज की रेलिंग को तोड़ते हुए 30 फीट नीचे रेलवे ट्रैक के पास जा गिरी। हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं 22 घायलों को दौसा के रामकरण जोशी अस्पताल में भर्ती कराया है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान दिल्ली-जयपुर रेल मार्ग करीब ढाई घंटे तक बंद रहा। यह दुर्घटना दौसा के कलेक्ट्रेट के पास से गुजर रहे रेलवे ओवरब्रिज पर हुई।

■ हादसे के चलते ढाई घंटे बंद रहा दिल्ली-जयपुर रेलवे ट्रैक

कड़ी मशक्कत से यात्रियों को निकाला बाहर

पुलिस ने बताया कि हादसा इतना दर्दनाक था कि यात्री करीब 1 घंटे तक बस में फंसे रहे, उन्हें कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। इस हादसे में 29 यात्री घायल हो गए। अधिकांश घायल जयपुर, टोंक और पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। वहीं हादसे में चांदना परवीनी (60) निवासी नदिया पश्चिम बंगाल सहित एक महिला व 2 पुरुषों की मौत हो गई। तीन मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। उनके शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं।

लापरवाही से बस चला रहा था चालक

हादसे के कई घायलों ने बताया कि महुआ के आस-पास जैसे ही बस पहुंची। उस समय ड्राइवर गाड़ी को बहुत ही लापरवाही से चला रहा था। इसको लेकर सवारियों ने भी उसे कई बार टोका भी, लेकिन ड्राइवर ने उनकी एक नहीं सुनी। इसका नतीजा हादसे के रूप में सामने आया। जानकारी के मुताबिक, बस दौसा कलेक्ट्रेट चौराहे के नजदीक रेलवे ओवरब्रिज के पास पहुंची। चालक ने बस को रेलवे और ब्रिज के किनारे स्थित दीवार पर चढ़ा दिया, जिसके कारण बस नीचे जा गिरकर पलट गई। दुर्घटना के बारे में जानकारी मिलते ही एएसपी बजरंग सिंह शेखावत घटनास्थल पर पहुंचे और रेल मार्ग को बंद कराया।

हादसे में ये लोग हुए घायल...

हादसे में गुलाबचंद निवासी बड़ी चौपड़ जयपुर, लालाराम सैनी, राधा व संतरा सैनी निवासी निवाई टोंक, सोहनलाल निवासी गोनेर जयपुर, मोहम्मद कासिम निवासी अजमेर, सुनीता देवी निवासी प्रताप नगर चितौड़गढ़, ओमी देवी महावर निवासी गंगापोल जयपुर, हस्तीमल निवासी अगड़िया राजसमंद, अंकित कश्यप निवासी हरिद्वार, नंदकिशोर, गीता बाई व ललिता बाई निवासी सबलगढ़ बूंदी, साधी निवासी सोडाला जयपुर, अजयपाल सिंह निवासी दातारामगढ़ सीकर, विद्या देवी निवासी गणगौरी बाजार जयपुर, देवानंद, मोहमाया, दीपांकर निवासी मुर्शिदाबाद कोलकाता, ऊषा कोली, किशन देवी, चेल्ली निवासी जयपुर, मुंशी निवासी बंगाल, रूपनारायण निवासी जोशी कॉलोनी जयपुर, अक्षरा कुमार निवासी मालपुरा टोंक, मौसमी निवासी मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल घायल हो गए। जिनमें 7 गंभीर घायलों को जयपुर रेफर किया गया है।

तीन की मौत व दो गंभीर घायल

BJP प्रत्याशी की रैली में जा रहे पांच दोस्तों की कार डंपर से टकराई

बेधड़क | बाड़मेर

जिले में सोमवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन दोस्तों की मौत हो गई वहीं दो गंभीर घायल हो गए। पांचों दोस्त कार में सवार होकर पचपदरा सीट से भाजपा प्रत्याशी की नामांकन रैली में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान बालोतरा के मंडली थाना क्षेत्र में नागाणा-कल्याणपुर रोड पर हादसे का शिकार हो गए।

जानकारी के अनुसार इन युवकों की कार को बजरी से भरे डंपर ने टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डंपर ने साइड से कार को टक्कर मारी। इससे कार सवार भीखाराम (55), निवासी मूल की ढाणी, बस्तीराम (45) निवासी मूल की ढाणी और लाल सिंह (62) निवासी परालिया की मौत हो गई। वही 2 गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि मूलजी की ढाणी गांव निवासी 5 लोग कार में सवार होकर सोमवार को सुबह पचपदरा से भाजपा की नामांकन रैली में शामिल होने के लिए जा रहे थे। इस दौरान नागाणा-कल्याणपुर रोड पर बजरी से भरे डंपर ने कार को टक्कर मार दी। इससे कार में सवार 1 व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग व राहगीर मदद के लिए दौड़े और घायलों को कल्याणपुर हॉस्पिटल पहुंचाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद 2 गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर किया गया।

वहीं मृतकों के शवों को कल्याणपुर हॉस्पिटल की मार्चरी में रखवाया गया। बताया जा रहा है कि पांचों मूल की ढाणी गांव के हैं। मंडली पुलिस के अनुसार, क्षतिग्रस्त कार और डंपर को जब्त कर लिया है। वहीं हादसे के बाद डंपर का चालक मौके से फरार हो गया।

विधानसभा चुनाव ड्यूटी में तैनात एएसआई की मौत

गलती से दबा ट्रिगर, गोली सिर से पार

बेधड़क | नागौर

जिले की पुलिस लाइन में गलती से रायफल का ट्रिगर दबने से एक जवान की मौत हो गई। एएसआई रामस्वरूप विश्नोई (57) पुलिस लाइन में तैनात थे।

वे चुनाव ड्यूटी के तहत यूपी के एक मंत्री को एस्कॉर्ट करने नागौर से रवाना होने वाले थे। इसी बीच सुबह 8 बजे जब वे अपने क्वार्टर में सर्विस रिवाल्वर को लोड रहे थे, तभी अचानक ट्रिगर दब गया। गोली एएसआई रामस्वरूप विश्नोई के सिर को चीरती हुई आर-पार निकल गई। आवाज सुन अन्य कार्मिक क्वार्टर की तरफ दौड़े तो वे अचेत हुए गिरे हुए थे। उनको जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक रामस्वरूप विश्नोई नागौर जारोड़ा गांव के रहने वाले थे।

पहले भी हुआ था ऐसा ही हादसा

करीब 15 दिन पहले सीकर में भी विधानसभा चुनाव में ड्यूटी कर रहे CISF (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के एक जवान देवीलाल की गोली लगने से मौत हो गई थी। सीआईएसएफ जवान से अचानक अपनी ही बंदूक का ट्रिगर दब गया था। गोली जबड़े से घुसी और सिर को चीरते हुए निकलकर कार की छत के आर-पार हो गई थी।

शहीद गौरीशंकर के शहादत दिवस पर हुआ आयोजन

रक्तदान से सशक्त लोकतंत्र का आह्वान

बेधड़क | सीकर

जिले में विधानसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

इसके तहत स्वीप टीम की ओर से मतदाता जागरूकता के लिए अनेक नवाचार किया जा रहे हैं। इसके तहत सोमवार को पिपराली ब्लॉक के बेरी गांव में शाहिद गौरी शंकर के शहादत दिवस पर रक्तदान शिविर में आयोजित किया गया। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए ग्रामवासियों, सरकारी कर्मचारी और स्वीप टीम के सदस्यों ने रक्तदान कर शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राजकमल जाखड़ ने बताया कि रक्तदान की तरह ही मतदान भी बहुत जरूरी है। रक्तदान से किसी की जान बचाई जा सकती है, इसी तरह मत दान से एक आदर्श लोकतंत्र की स्थापना होती है।

इस अवसर पर पंचायत प्रसार अधिकारी रामप्रसाद बगड़िया, प्रधानाध्यापक राजकमल जाखड़, ग्राम विकास अधिकारी संजय आर्य, कनिष्ठ सहायक जगदीश प्रसाद मील सहित स्वीप टीम ने रक्तदान कर अनूठा संदेश दिया।

धमाके से फैली दहशत

प्रेमिका की हुई सगाई, प्रेमी ने डेटोनेटर से खुद को उड़ाया

■ धड़ से अलग हुआ सिर, शत-विक्षत शव देख पिता बेहोश

बेधड़क | उदयपुर

जिले में एक सनसनी खेज आत्महत्या का मामला सामने आया है। प्रेमिका की सगाई कहीं ओर होने से निराश प्रेमी ने खुद को डेटोनेटर से उड़ा दिया। युवक ने गले में डेटोनेटर बांधकर ब्लास्ट कर दिया। इससे सिर धड़ से अलग हो गया।

धमाके से एक बारगी तो लोग सहम गए। बाद में मौके पर पहुंचे तो वहां युवक का शव शत-विक्षत हालत में पड़ा था। बेटे की ऐसी हालत देख उसके पिता बेहोश हो गए। धमाके से युवक के शरीर के चीथड़े उड़ गए। मामला उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र के ओड़वास गांव के मसारों की ओबरी गांव में रविवार रात 2 बजे की है। थानाधिकारी महिपाल सिंह ने बताया कि मृतक नीलेश मीणा (24) की गर्लफ्रेंड की सगाई हो गई थी और वह परेशान चल रहा था। नीलेश गांव के पास माइनिंग में ही मजदूरी करता था। अलसुबह करीब 4 बजे सूचना मिली थी कि एक युवक ने ब्लास्ट कर खुद को उड़ा लिया।

डीएसपी हेरंभ जोशी ने बताया कि घटना के बाद मामले की जांच की तो सामने आया कि युवक नीलेश का गांव की ही रहने वाली युवती से अफेयर चल रहा था। दोनों एक ही गोत्र के थे तो इनकी शादी नहीं हो सकती थी। ऐसे में लड़की की सगाई किसी और लड़के से हो गई थी। इसको लेकर निलेश परेशान चल रहा था।

धमाके की आवाज सुन दौड़े परिजन व ग्रामीण

पुलिस की प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि नीलेश रविवार को ही कहीं से डेटोनेटर लेकर आया था। इसके बाद रात को घर से 100 मीटर की दूरी पर गया और खुद के गले में डेटोनेटर बांधकर ब्लास्ट कर दिया। धमाके की आवाज सुन नीलेश के पिता राजमल मीणा और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो नीलेश का सिर धड़ से अलग था। बेटे की ऐसी हालत देख पिता बेसुध हो गए। नीलेश के पिता राजमल मीणा ने ऋषभदेव थाने में युवती के परिजनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि रविवार रात करीब 12 बजे के बाद मेरे बेटे को घर से 5 जने बुलाकर ले गए थे और उसकी गर्दन काट दी।

माइनिंग इलाके में हुआ हादसा

इस मामले की पुलिस गहनता से छानबीन कर रही है। नीलेश डेटोनेटर कहां से और किससे लेकर आया था इसे लेकर पुलिस जांच में जुटी हुई है। वहीं नीलेश का गांव जिस ऋषभदेव इलाके में है, वहां मार्बल माइंस है। यहां माइंस में ब्लास्टिंग के लिए डेटोनेटर का उपयोग लिया जाता है। ऐसे में ये भी अंदेशा है कि वह अपने किसी परिचित से इसे अवैध तरीके से भी लेकर आया हो।

झगड़े में बड़े भाई ने ली छोटे की जान

बेधड़क | टोंक

बरोनी थाना क्षेत्र के ककराजकलां में हुए एक व्यक्ति के मर्डर मामले का पुलिस ने 2 घंटे बाद ही खुलासा कर लिया है। हत्या के आरोप में पुलिस ने मृतक के बड़े भाई को ही गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने रविवार रात को अपने छोटे भाई पर लकड़ी से हमला कर हत्या कर दी। सोमवार को एसपी राजर्षि राज ने इसका खुलासा करते हुए बताया कि सोमवार को बरोनी थाने में लहन गांव निवासी बुद्धि प्रकाश पुत्र घासीलाल गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया कि उसका जीजा ककराजकलां निवासी रमेश गुर्जर पुत्र कानाराम के सिर पर लकड़ी से हमला कर हत्या कर दी। थानाप्रभारी ओमप्रकाश ने मृतक के शव को मोर्चरी में रखवाया। मृतक रमेश का अपने बड़े भाई हरिराम गुर्जर में काफी सालों से विवाद है। आए दिन घर-गृहस्थी को लेकर लड़ाई-झगड़ा होता रहता था। घटना की रात छोटा भाई रमेश शराब के नशे में घर आया था। इस दौरान दोनों भाइयों में कहासुनी हो गई।

इस दौरान बड़े भाई हरि गुर्जर ने जलते हुए चूल्हे में से एक लकड़ी निकालकर रमेश के सिर पर दे मारी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए टीम गठित की गई। टीम ने आरोपी को छोटी ककराज से पकड़ा।

चुनावी पोळ

रण में उतर् या सूरमा,
अब भरसी घणी हुंकार।
दिग्गज रोज गरज सी,
आयो वोटां रो त्योहार।।
■ गजानन

विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री के गढ़ में मतदाता कन्फ्यूज, योजनाओं के साथ जाति भी बड़ा फैक्टर

योजनाओं और जातीय समीकरणों के बीच झूल रहा मारवाड़ का 'मूड'

बेधड़क । जयपुर/जोधपुर

राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का मुख्य मुद्दा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हाल के महीनों में घोषित की गई कल्याणकारी योजनाओं को माना जा रहा है। लेकिन क्या यह पार्टी के लिए राज्य में दूसरा कार्यकाल जीतने में सक्षम होगा?

मारवाड़ क्षेत्र के लूनी, बिलाड़ा और ओसियां विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मिश्रित संकेत दे रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि बुजुर्गों के लिए पेंशन, सब्सिडी वाली रसोई गैस और महिलाओं के लिए मुफ्त स्मार्टफोन जैसी योजनाओं पर जाति समीकरण भारी पड़ सकता है।

बिलाड़ा से कांग्रेस की ओर से मोहन लाल कटारिया और भाजपा की ओर से अर्जुन लाल गर्ग मैदान में हैं जबकि लूनी से महेंद्र बिश्नोई कांग्रेस व जोगाराम पटेल भाजपा उम्मीदवार हैं। ओसियां से कांग्रेस की दिव्या मदेरणा के सामने भाजपा के भैरा राम हैं।

राशन किट से खुश महिलाएं

लूनी विधानसभा क्षेत्र में राशन की दुकान के बाहर इंतजार कर रही महिलाओं के एक समूह ने सरकार की उन योजनाओं की सराहना की जो पेंशन, मुफ्त स्मार्टफोन, राशन किट और 500 रुपए में सब्सिडी वाला एलपीजी सिलेंडर प्रदान करती हैं। गीता देवी का कहना था कि सरकारी योजनाएं अच्छी हैं। मुझे पेंशन मिल रही है और एक स्मार्टफोन के साथ-साथ राशन किट भी मिला है। समूह में मौजूद अन्य महिलाएं भी गीता देवी से सहमत दिखीं।

बागी हुए पूर्व महापौर, बिगाड़ेंगे समीकरण

मुख्यमंत्री के बेहद करीबी कांग्रेस नेता व जोधपुर के पूर्व महापौर रामेश्वर दाधीच ने जोधपुर के सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन भर कर यहां के समीकरण बिगाड़ दिए हैं। कांग्रेस ने सूरसागर विधानसभा क्षेत्र से एक दिन पहले शहजाद खान को टिकट दिया था। दाधीच सूरसागर से टिकट की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आम कार्यकर्ताओं की भावना को देखते हुए वे चुनाव में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि अगर नहीं जीता तो राजनीति छोड़ दूंगा। गौरतलब है कि दाधीच को एक दिन पहले ही कांग्रेस सरकार की गारंटी योजना का कोऑर्डिनेटर बनाया गया था। टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए जीवन लगा दिया। पार्टी उप मुख्यमंत्री बना दे तो भी कम है। दाधीच का कहना है कि सूरसागर के टिकट से जोधपुर डिवीजन की कई सीटों पर नकारात्मक असर पड़ेगा। दाधीच के साथ ही कई कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भी इस्तीफे देने की घोषणा की है। दूसरी ओर कांग्रेस प्रत्याशी शहजाद खान का कहना है कि पार्टी ने पहली बार युवा को मौका दिया है। सूरसागर की पूरी जनता, छत्तीस कौम मेरे साथ है। कहीं कोई विरोध नहीं है। जो विरोध कर रहे हैं उन्हें मना लिया जाएगा।

योजनाएं अपनी जगह, वोट अपनी जगह

कई लोगों का मानना है कि कल्याणकारी नीतियों और विकास के मुद्दों के बावजूद जातिगत समीकरण मतदाताओं की पसंद तय कर सकते हैं। जाति समीकरण के प्रभाव का हवाला देते हुए लूनी ब्लॉक के झालामंद गांव के पूर्व सरपंच का कहना था कि विकास भले ही हुआ हो और योजनाओं को सराहना मिल रही हो, लेकिन लोग अब भी उसी तरह वोट देंगे, जैसे वे पीढ़ियों से देते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चाहे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव, उनके क्षेत्र के लोग हमेशा अपने पसंद की पार्टी और अपनी जाति के समर्थक को वोट देते हैं। वहीं एक स्थानीय राशन डीलर का कहना है कि लोगों को योजनाओं के बारे में उतना याद नहीं रहता और वे हमेशा पीने के पानी और बेहतर सड़कों को प्राथमिकता देते हैं।

स्थानीय समस्याओं का निदान स्मार्टफोन से ज्यादा जरूरी

बिलाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के पुरुषों के एक समूह ने कहा कि मुफ्त स्मार्टफोन बांटने के लिए इस्तेमाल की गई धनराशि का उपयोग अन्य स्थानीय समस्याओं को हल करने के लिए किया जा सकता था। लक्ष्मण सिंह का कहना था कि मोबाइल फोन की खरीद में करोड़ों रुपए का इस्तेमाल किया गया। हमारे क्षेत्र में पीने के पानी की और अन्य स्थानीय समस्याएं हैं। इस राशि का इस्तेमाल ऐसे बुनियादी मुद्दों को हल करने के लिए किया जा सकता था। वहां एकत्र अन्य लोगों ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना की सराहना की, जो एक परिवार को 25 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करती है। राज्य में कुल 5.26 करोड़ में से लगभग 2.51 करोड़ महिला मतदाता हैं, इसे ध्यान में रखकर कांग्रेस ने उनके लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। पिछले पांच वर्षों में अशोक गहलोत सरकार का ध्यान महिला मतदाताओं पर रहा है और सरकार ने 34 अन्य महिला-केंद्रित योजनाएं चलाते हुए विशेष रूप से उनके लिए लगभग 10 नयी योजनाएं शुरू कीं।

बिहाइंड द कर्टेन

रूठा है तो मना लेंगे...

लिस्टें जो आनी थी आ गई। जिनके नाम आने थे वे भी आ गए। उनके भी आ गए जिनके बारे में कहा जा रहा था कि आला कमान किसी कीमत पर तैयार नहीं है। वीटो कर दिया है। दशकों से राजनीति को अपने हिसाब से सेट करने वाले जानते हैं कि टिकट कैसे झटके जाते हैं। तो आखिरी लम्हे तक अड़े रहे। जिनके कटने थे कट गए। नाम नहीं आया तो आपे से बाहर हो गए। ऐसी-ऐसी दलीलें दे रहे हैं कि सुनने वालों के दिल पसीज जाएं। क्या-क्या नहीं किया पार्टी के लिए। जीवन खपा दिया। अब मौका आया था तो एक टिकट तक नहीं दिया। दिल टूटता है तो अंदर की तड़प बाहर आ जाती है। तो ऐसी ही तड़प एक नेता की है जो कहते हैं कि मैं तो सहन कर लूं, लेकिन कार्यकर्ताओं की पीड़ा बर्दाश्त से बाहर है। जिसकी कभी रगड़ाई नहीं हुई उसे टिकट दे दिया! यह टीस किसी एक दल के नेता की नहीं है। आग दोनों तरफ लगी है। ऑथोराइज्ड केंडिडेट्स के साथ कई बगावती भी मैदान में कूद पड़े हैं। पर ऐसी बातों से हाईकमान का दिल नहीं पसीजता। वो जानता है कि राजनीति इतनी आसान नहीं है। चुनाव लड़ना भी हंसी-खेल नहीं है। बागियों के आसपास जो कार्यकर्ताओं का हुजूम नजर आ रहा है वो धीरे-धीरे छंट जाएगा। कार्यकर्ता भी जानता है कि जब नेताजी की ही जमीन खिसक गई तो इनके साथ रहने से क्या फायदा। कुछ नेता ऐसे हैं जो वफादारी में भरोसा नहीं करते। पंछियों की तरह डाल बदलते रहते हैं। अब इसे आया राम-गया राम कहो या दल बदलू। क्या फर्क पड़ता है। वो इसे घर वापसी कह रहे हैं। पहले भी तो इसी दल में थे। कुछ समय के लिए उधर चले गए। अब पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियां देखी तो वापस आ गए। जाने वाले कह रहे हैं कि बेवजह परेशान किया गया। पार्टियां भी इनके लिए टिकट लेकर तैयार बैठी थी। तो जो सस्पेंस लिस्टें आने से पहले था वह नामांकन के बाद रूठने-मनाने को लेकर शुरू हो गया है। कहा जा रहा है कि टिकट तो एक को ही दिया जा सकता है। जो नाराज हैं उनसे बात करेंगे। जहां चुनाव होते हैं वहां नाराजगी भी होती है। सत्ता आने के बाद एडजस्ट कर देंगे। सत्ता है तो सब सुख हैं। सत्ता ही नहीं रही तो बचेगा क्या? यह पार्टी के भविष्य का चुनाव है। इसी पर फोकस करना है।

■ यायावर

ई वॉर

BJP Rajasthan @BJP4Rajasthan · 3h
कांग्रेस की जनसभा में कुर्सियां पड़ी हैं खाली
राजस्थान से कांग्रेस सरकार है जाने वाली।

Mallikarjun Kharge @kharge
Follow
कांग्रेस पार्टी खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाई, जिससे लोगों को राशन मिला।
उस वक्त भाजपा ने उसका विरोध किया था। आज जब चुनाव आ गया है तो मोदी जी कहते हैं कि राशन की स्कीम हम आगे 5 सालों तक चलाएँगे।
पहले इसी तरह की योजनाओं को वो रेवड़ी कहते थे।
अब चुनाव आ गया तो मोदी जी को गरीब याद आ गए। ये वोट के लिए दे रहे हैं।
कांग्रेस ने वोट के लिए नहीं किया। चुन के आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने जो लोगों को राशन

थड़ी पॉलीटिक्स

चाहे किसी भी पार्टी में जाना पड़े, नेताजी सेवा करके ही मानेंगे

स्थान टी स्टॉल **समय** शाम 6:00 बजे

सोढाला, जयपुर

ये नेताजी मेरी सेवा किए बिना नहीं मानेंगे, पिछली बार तो इन्होंने मेरी पार्टी का पट्टा पहन रखा था इसलिए मैंनें इसको वोट दे दिया, पांच साल तक ये पार्टी की जय जयकार करते रहे। अबकी बार इनकी पार्टी ने इनको घास नहीं डाली तो बिना पार्टी के ही कूद गए। बोल रहे हैं फिर सेवा का मौका दो।" चुनावी दंगल में उतर रहे पहलवानों के नाम लॉक हो गए हैं। अब नई एंट्री नहीं हो सकती, हां एग्जिट का रास्ता अभी खुला है। दोनों पार्टियों की सूचियां आने के बाद शुरू हुई टिकटों की महाभारत कुछ शांत हुई है। हां, बगावती तेवरों के साथ मैदान में उतरने वाले बागियों को मनाने का सिलसिला अभी चल रहा है और दो दिन तक चलेगा। पूरी तस्वीर तो एग्जिट डेट के बाद ही साफ होगी पर महाभारत के मुख्य किरदार लगभग फाइनल हो चुके हैं। अब महाभारत हो रही है तो उसके दर्शक भी हैं, और दर्शक हैं तो उनके बीच गपशप भी होनी ही है। तो, लोगों के बीच की इसी गपशप से चुनाव का रुख समझने हम पहुंचे सोढाला। यहां एक चाय की टपरी पर जमे लोगों के बीच चर्चा चल रही थी चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे नेताजी की। अपनी पार्टी से बागी होकर पार्टी की नाक में दम कर रहे नेताजी की बात चली तो सामने से इसका समर्थन हुआ- "भाई, इनका तो काम ही सेवा करना है। अब ये करें तो क्या करें। पार्टी तो मौका ही नहीं दे रही। ये तो लोगों की सेवा करके पुण्य कमाना चाहते हैं, और पार्टी ने ये पुण्य कमाने का मौका किसी दूसरे को दे दिया तो इनका बिगड़ना तो बनता है।" इशारों-इशारों में नेताजी को निशाना बनाया जा रहा था। ये निशाना जिसको रास नहीं आया उसकी आवाज आई-" तो नेताजी भी क्या करें भाई, पांच साल तो पार्टी की आवाज उठाते रहे। अब पार्टी दो दिन पहले आए किसी को भी टिकट दे रही है तो उनको गुस्सा आएगा ही। और भाई, सेवा करना तो उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। ये अधिकार उनसे कोई छीन ले ये बिल्कुल मंजूर नहीं।" नेताजी घेरे में थे। चर्चा को समेटने के मंसूबे से एक ओर से आवाज आई- "भाई, नेताजी का जन्मसिद्ध अधिकार छोड़ो, तुम तो अपने अधिकार की बात करो। तुम्हें नेताजी से हिसाब लेने का अधिकार तो याद है, अपना काम भी याद है क्या। तुम तीनों में से दो ने तो पिछले चुनाव में वोट ही नहीं डाला। नेताजी तो अपना काम कर रहे हैं, तुम भी तो अपना काम करो। तुम उनको सेवा करने के लायक समझते हो तो उनको वोट दे देना, नहीं समझते तो जिसको समझते हो उसे दे देना, पर देना जरूर। तुम्हारा वोट नेताजी के लिए नहीं देश के लिए जरूरी है।" मजाक से शुरू हुई चर्चा एक संदेश के साथ समाप्त हुई।

पॉली क्लिक्स

स्नेह की डोर

बड़ों का स्नेह हर किसी के लिए ऊर्जा का स्रोत होता है। प्रदेश की सबसे पावरफुल सीट पर पन्द्रह साल निकाल चुके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी इसके अपवाद नहीं। सोमवार को नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने अपनी बड़ी बहन विमला देवी से आशीर्वाद लिया। विमला देवी ने उन्हें स्नेह से गले लगा लिया।

फोटो- पीटीआई

पॉली टून

चुनावी इतिहास के झरोखे से

■ गुलाब बत्रा, वरिष्ठ पत्रकार
gulabbatra@gmail.com

कृष्णाकुमारी के एक सवाल से बदल गई थी चुनावी फिजां, वोटों से भर गई थी झोली

जोधपुर महाराजा हनवंतसिंह ने अपने एक नारे "मैं थासूं दूर नहीं" से चुनावी माहौल को बदल दिया था और राजतंत्र से लोकतंत्र में प्रवेश के अपने पहले चुनाव में शानदार जीत हासिल की थी। लेकिन वे अपनी जीत देख नहीं पाए, चुनाव परिणाम के दिन ही विमान दुर्घटना में उनका निधन हो गया। अब आगे फिर गिरदीकोट- अब पात्र बदल गए थे। सभा मंच पर हनवंत सिंह की जीवन संगिनी कृष्णाकुमारी जन सैलाब से रू-ब-रू थी। गुजरात के ध्रांगध्रा राजपरिवार की राजकुमारी कृष्णा परदे से बाहर सम्भवतः पहली बार सार्वजनिक सभा में आई थी । इस परिदृश्य की पृष्ठभूमि जानने के लिए हमे लेखक पत्रकार अयोध्या प्रसाद गौड़ द्वारा महारानी कृष्णाकुमारी की रोमांचक गाथा 'द रॉयल ब्लू' के पन्ने पलटने होंगे।

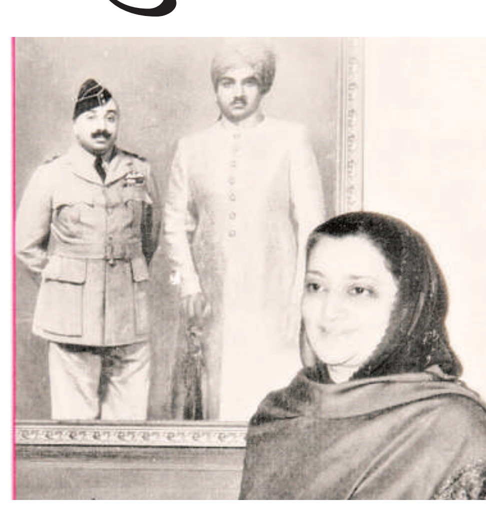

वर्ष 1971 में पांचवे लोकसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ गई थी। पहले लोकसभा चुनाव सभा में नेहरू की धमकी को उनकी बेटी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राजा-महाराजाओं के प्रिवीपर्स बंद करके पूरा किया था। पाकिस्तान से बंगला देश को पृथक करने वाली इंदिरा आयरन लेडी के अवतार में शासन सत्ता एवं कंग्रेस पार्टी संगठन पर अपना प्रभुत्व जमा चुकी थी। इस परिवेश में जोधपुर के उम्मेद पैलेस में गंभीर मंत्रणा का दौर चल रहा था। ये विश्वासघात है। हम सभी से जो वायदे नेहरू और पटेल ने किए थे ये उससे बिलकुल विपरीत है। लोकतंत्र और

एकीकरण करण के नाम पर पहले ही प्रजा को ठगा गया। टैक्स बेतहाशा बढ़ा दिए गए और अब हम ...! कांग्रेस इस तरीके से हम सभी को सड़क पर लाने की साजिश कर रही है।" राजदादी बदन कुंवर ने अपने विश्वासपात्रों से बातचीत के दौरान चिंता प्रकट की। एक सरदार ने अन्य प्रदेशों के राजाओं के रोष की बात कही तो दूसरे सरदार ने स्वर्गीय हनवंत सिंह की बात याद दिलाई कि अगर राजा महाराजाओं को अपनी शक्ति, अपना अस्तित्व बनाए रखना है तो जनता की वोटों की ताकत से ही अपने आपको पुनर्जीवित करना होगा।

क्रमशः

सास के आदेश पर चुनाव में उतरी थीं कृष्णाकुमारी

राजदादी ने मारवाड़ में सबसे प्रतिष्ठा की सीट जोधपुर पर कांग्रेस को चुनौती देने पर बल दिया- "लेकिन मम्मा हमारे पास कहां है उम्मीदवार जो कांग्रेस की आंधी का मुकाबला कर सके।" राजमाता कृष्णाकुमारी ने स्वाभाविक प्रश्न किया। "तुम। तुम लड़ोगी इस बार का चुनाव। उस सीट से जहां हनवंत सिंह जीते, पर अपनी जीत देख नहीं पाए। तैयार हो जाओ उस सपने को पूरा करने के लिए। हमे गिरदीकोट में एक आमसभा करनी होगी। राजपूतनियां हर चुनौती के लिए तैयार रहती हैं। तुम्हे उस सभा में भाषण देना होगा।" अपनी सास को निर्णय सुन कृष्णाकुमारी ने गरदन घुमाई तो सामने दीवार पर मुस्करा रहे हनवंत सिंह की तस्वीर नजर आई। उसी गिरदीकोट में कोलाहल के बीच स्नेह से सिंचित जन सैलाब से जो प्रश्न कृष्णा कुमारी ने पूछा, वही चुनाव में उनका नारा बना। आव्हान के बीच सवाल किया- समय बदलने से क्या संबंध बदल जाते हैं...! लाखों हाथ उठे- नहीं, नहीं, नहीं बदलते संबंध और जय-जय के नारों से हवा में उठ गए। गुड़गांव की सीट से नवाब मंसूर अली खां पटौदी सहित देश के अधिकांश हिस्सों में पूर्व राजघरानों के उम्मीदवार हार गए। लेकिन इंदिरा कांग्रेस की आंधी में मेहरानगढ शान से इठलाया।

हासिल किए थे 51.22% वोट

अब आंकड़ों पर गौर करें। राजस्थान से निर्वाचित दो निर्दलीयों में कृष्णाकुमारी ने कांग्रेस के आनंद सिंह कच्छवाह को 21497 मतों से पराजित किया। उन्हें कुल मतदान का 51.22 प्रतिशत हिस्सा मिला। उनके पति हनवंतसिंह 28.02 प्रतिशत मत लेकर विजयी हुए थे। उन्होंने बंबई के बेरिस्टर नूरी मोहम्मद यासीन का हराया।

समृद्ध सांस्कृतिक विरासत

गांव धोरडो: ग्रामीण पर्यटन का वैश्विक केंद्र

डॉ. रघुवीर चारण
शोधार्थी चिकित्सा विज्ञान

भारत विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। भारत की विविधता और प्राकृतिक सुंदरता दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। हमारे यहां उत्तर में हिमालय की मनमोहक वादियां व कश्मीर घाटी से लेकर दक्षिण में समुद्री तट व मुन्नार की खूबसूरती अद्भुत है, वहीं पूर्व में कोणार्क सूर्य मंदिर से लेकर पश्चिम के रेगिस्तान तक संपूर्ण भारत अतुल्य है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के विश्व पर्यटन संगठन ने गुजरात के कच्छ जिले के छोटे-से गांव धोरडो को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गांवों की सूची में शामिल किया है। वर्ष 2023 की इस सूची में 54 गांव शामिल है। इसमें भारत के एकमात्र इस सुंदर गांव ने अपनी जगह बनाई। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संगठन द्वारा इसकी शुरुआत 2021 में की गई। यह सम्मान उन गांवों को दिया जाता है, जो ग्रामीण इलाकों के विकास और परिदृश्यों, सांस्कृतिक विविधता, स्थानीय मूल्यों और खान-पान परंपराओं के संरक्षण में अग्रणी हैं।

सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव पहल ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ पर्यटन की प्रमुख परियोजना है। कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पर्यटन आय और विकास में क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने, जनसंख्या में गिरावट से लड़ने, लैंगिक समानता व महिला और युवा सशक्तीकरण को आगे बढ़ाने, नवाचार और डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाने, कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे में सुधार, वित्त और निवेश तक पहुंच को बढ़ाना शामिल है। सयुंक्त राष्ट्र की यह वैश्विक योजना ग्रामीण पर्यटन के लिए परिवर्तनकारी होगी।

> *कच्छ के विशालकाय रण में बसा ये गांव वार्षिक रण उत्सव के लिए प्रसिद्ध है प्रतिवर्ष यहाँ नवंबर से फरवरी तक करीबन चार माह तक रण महोत्सव का आयोजन होता है जिसमें विभिन्न मनोरंजन गतिविधियाँ व गुजराती पारंपरिक कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया जाता है रण महोत्सव का आरम्भ 2005 में किया गया पहले ये तीन दिन का उत्सव होता था।*

गुजरात राज्य के कच्छ जिले में सफेद रेगिस्तान में स्थित छोटा सा गांव धोरडो अपनी पारंपरिक कला व संस्कृति के बूते वैश्विक पर्यटन का केंद्र बना। कच्छ के विशालकाय रण में बसा ये गांव वार्षिक रण उत्सव के लिए प्रसिद्ध है। प्रतिवर्ष यहां नवंबर से फरवरी तक करीबन चार माह तक रण महोत्सव का आयोजन होता है। इसमें विभिन्न मनोरंजन गतिविधियां व गुजराती पारंपरिक कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया जाता है। रण महोत्सव का आरंभ 2005 में किया गया। पहले ये तीन दिन का उत्सव होता था। कच्छ के इस वीरान रण में एशिया की सबसे बड़ी टेंट सिटी की अस्थायी बसावट होती है। इसके अंदर की सुविधाएं किसी भी शाही लवाजमे से कम नहीं होती। धोरडो में विशेष प्रकार के घरों का निर्माण किया, जिसे भूंगा कहते हैं। भूंगा विशेष प्रकार की मिट्टी से बनाया गया, जिसका तापमान ऋतु के अनुकूल रहता है। साथ ही भूंकप प्रतिरोधी होते हैं। घरों के ऊपर वहां की पारंपरिक कलाकृति भी देखने को मिलेगी। आज इस स्मार्ट गांव ने विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपना नाम अंकित करवाया। वार्षिक रण उत्सव के दौरान भुजोली की हस्तशिल्प कला, कच्छी शॉल, बांधनी, पारंपरिक खानपान, गुजराती लोक साहित्य और संस्कृति की अनूठी झलक देखने को मिलती हैं। ग्रामीण पर्यटन में अव्वल धोरडो ने भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत प्रथम पर्यटन कार्य समूह की बैठक की मेजबानी की तथा गांव की अर्थव्यवस्था और क्षेत्र में रोजगार के अवसरों के निर्माण पर पर्यटन बुनियादी ढांचे के विकास और रण उत्सव जैसी पर्यटन संवर्धन गतिविधियों की सकारात्मक पहल की। गुजरात टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अमिताभ बच्चन द्वारा कही गई लाइन 'कच्छ नहीं देखा तो कुछ नहीं देखा' वर्तमान में सही चरितार्थ हो रही है। वर्ष 2001 में आए विनाशकारी भूकंप से तबाह हुए कच्छ क्षेत्र में आज पर्यटन से रोजगार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

भारत में पर्यटन की स्थिति पर नजर डाले तो अतुल्य भारत अभियान ने भारतीय पर्यटन को वैश्विक मंच प्रदान किया। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है, जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 6.23% और भारत के कुल रोजगार में 8.78% योगदान है। अब सालाना लाखों में विदेशी पर्यटक भारत की और रुख कर रहे हैं। अब भारतीय पर्यटन विभाग द्वारा सुदूर ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाओं को तलाशा जा रहा है, जिसमें गांव धोरडो ग्रामीण पर्यटन का बेहतरीन उदाहरण है ।

देश में ग्रामीण पर्यटन के विकास और प्रचार को बढ़ावा देना चाहिए, क्योंकि ग्रामीण पर्यटन से गांवों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और हमारी विरासत को नई ऊर्जा मिलेगी। ग्रामीण पर्यटन में ग्रामीण भारत के आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की उच्च क्षमता है। इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और गांवों की पारंपरिक स्थानीय कला और संस्कृति को वैश्विक पहचान मिलेगी।।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

विश्व कप में टीम इंडिया बनी क्रिकेट की महाशक्ति

इसे जीतना नहीं, कुचलना कहते हैं

राजेंद्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

> *यह तो जुल्म है ना क्रिकेट का, कि आप इतनी बड़ी-बड़ी जीत हासिल कर हर टीम की कमजोर कड़ियों को उजागर कर दो। यह भी जुल्म ही है ना, कि आप किसी टीम को अपने सामने 300 का आंकड़ा तक छूने न दो। यह तो जुल्म है ना, कि आपकी 11 की टीम में सभी हीरो हों, कोई किसी मैच में कमाल दिखाए, तो कोई किसी दूसरे मैच में। ये कोई जीतें हुई! ना भई ना, ये जीतना नहीं है यह तो हर प्रतिद्वंद्वी को कुचलना और ऐसे आराम से आगे बढ़ जाना है, मानो यह तो हमारे लिए सामान्य बात थी।*

इस विश्वकप से पहले जब भी वनडे क्रिकेट की सुपर टीम की बात होती थी, तो ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और यहां तक कि पाकिस्तान का नाम भी लिया जाता था। यहां बता दें कि पाकिस्तान इस वल्ड कप से पहले वनडे में आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन था, अब नई रैंकिंग में कहां होगा, पता नहीं।

खैर, आते हैं वर्ल्डकप में टीम इंडिया की लगातार आठ जीत पर। और, इन मैचों में दबंगाना प्रदर्शन पर।

तो, भारत ने इस विश्वकप का पहला मैच 8 अक्टूबर को खेला था, पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से, जिस ऑलटाइम फेवरिट माना जाता रहा है। कंगारू कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, ताकि बड़ा स्कोर खड़ा कर उसे डिफेंड कर सके। उन्हें अंदाजा नहीं था टीम इंडिया के जिस बॉलिंग अटैक को उन्होंने कमजोर आंका, वह इस विश्वकप में तहलका मचाने वाला है। इसका अहसास उन्हें तब हुआ, जब पहले बुमराह और फिर जडेजा की बॉलिंग के सामने ऑसी बैटर्स पतझड़ के पत्तों की तरह गिरते गए और पूरी टीम 199 रन पर ढेर हो गई। जड्डू ने 3 और बुमराह ने 2 विकेट झटक सारी टीमों को वॉर्न कर दिया कि इस टूर्नामेंट में उनके इरादे क्या हैं। जवाब में भारत ने मात्र 4 विकेट खोकर लक्ष्य आराम से हासिल कर लिया। प्लेयर ऑफ द मैच केएल राहुल ने 97 रन बनाए।

भारत का दूसरा मैच 11 अक्टूबर को अफगानिस्तान से। अफगानिस्तान ने भी टॉस जीता और वही किया जो कंगारुओं ने किया था, यानी बैटिंग चुनी। लेकिन, टीम इंडिया की कसी हुई गेंदबाजी के सामने 300+ स्कोर करने का ख्वाब टूट गया और 50 ओवर में 272 रन ही बना सकी। बुमराह ने फिर तहलका मचाया और 4 विकेट झटके। अब भारत का जवाब कड़क आना ही था, वही हुआ, टीम इंडिया ने कप्तान रोहित शर्मा के 131 रनों की बदौलत मात्र 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर 8 विकेट से मैच जीत लिया।

तीसरा मैच चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से 14 अक्टूबर को था, दोनों देशों ही नहीं दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों को इसका इंतजार था। रोहित ने टॉस जीत चेज करना ही बेहतर समझा और फिल्डिंग चुनी। बुमराह और सिराज ने 2-2 विकेट झटक पाक की कमर तोड़ दी और पूरी टीम सिर्फ 191 रन पर सिमट गई। भारत ने रोहित के शानदार 86 और श्रेयस के 53 रन के योगदान से महज 3 विकेट पर 192 रन बना दिए।

फिर बांग्लादेश से मैच की कहानी भी कमोबेश ऐसी ही रही। बांग्लादेश ने 256 रन बनाए, बुमराह और सिराज ने कहर ढहाया, फिर भारत ने विराट की सेंचूरी (101) और गिल के ताबड़तोड़ 53 रनों के सहारे यह स्कोर भी सिर्फ 3 विकेट पर पार कर 7 विकेट से जीत दर्ज की।

इसके बाद 22 अक्टूबर को तब तक की अजेय न्यूजीलैंड से मुकाबला हुआ। सब मैच टफ मान रहे थे। विशेषज्ञ इसे भारत की परीक्षा बता रहे थे, जिन्हें परिणाम ने जवाब दे दिया। भारत ने एकतरफा से मैच में न्यूजीलैंड द्वारा दिया गया 256 रन का लक्ष्य सिर्फ 3 विकेट से हासिल कर एक और 7 विकेट की बड़ी जीत हासिल की। इस मैच में टीम इंडिया को नया हीरो मिला- मोहम्मद शामी, जिसने 5 विकेट लेकर हार्दिक पांड्या की जगह खुद को टीम में लेने के फैसले को 110 फीसदी सही साबित कर दिया। विराट शतक से 5 रन से चूक गए। रोहित ने धुआंधार 46 रन से उम्दा आगाज दिया।

इन मैचों के बाद क्रिकेट के जानकार, खासकर पाकिस्तान से आए पुराने दिग्गज क्रिकेटरों ने यह कहना शुरू कर दिया कि भारत की ताकत बैटिंग है, स्कोर डिफेंड करने में होगी बॉलिंग की परीक्षा। संयोग से अगला मैच क्रिकेट की जन्म देने वाले इंग्लैंड से 29 अक्टूबर को हुआ, जिसमें पहले खेलते हुए भारत 50 ओवर में 1 विकेट शेष रहते सिर्फ 229 रन ही बना सका, तब कमेंटरी कर रहे जानकारों ने भारत की हार की आशंका जतानी शुरू कर दी। लेकिन, बुमराह और शामी के तूफान के आगे अंग्रेज टीम सिर्फ 129 रन पर ताश के महल की तरह ढह गई। बुमराह ने 3 और शामी ने 4 विकेट झटक सभी आलोचकों की जुबान बंद कर दी।

अगले यानी भारत के सातवें मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर बटलर की तरह इंडिया को बैटिंग दे दी। जबरदस्त धुलाई हुई, गिल के 92 और विराट के 88 रनों की पारी से भारत ने 357/8 रन बनाए, श्रीलंका को जितनी देर विमान में एक डेस्टिनेशन से दूसरे तक पहुंचने में वक्त लगा, उससे भी कम समय में पूरी टीम को भारतीय बॉलर्स शामी (5 विकेट) और सिराज (3 विकेट) ने सिर्फ और सिर्फ 55 रन पर श्रीलंका की पूरी टीम को समेटकर एशिया कप की 50 पर ढेर करने की कहानी दोहरा दी।

टीम इंडिया का आठवां मैच था, अब तक इस टूर्नामेंट में सबसे फेवरिट मानी गई दक्षिण अफ्रीकी टीम से। कोलकात की धीमी और स्पिन लेती पिच पर टीम इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए विराट के ऐतिहासिक 49वें शतक (101) और श्रेयस के शानदार 77 रनों के सहयोग से 326/5 रन बनाए। लगता था, अफ्रीका की सॉलिड कही जाने वाली बैटिंग लाइन इसे चेज कर लेगी, लेकिन कुछ ऐसा घटा, जिसकी कल्पना न तो दक्षिण अफ्रीका और न ही किसी विशेषज्ञ ने की थी। पूरी टीम ट्रिपल फीगर में नहीं पहुंच सकी और केवल 83 रन ही बना सकी। यहां जडेजा हीरो बने और 5 विकेट झटके।

यह तो जुल्म है ना क्रिकेट का, कि आप इतनी बड़ी-बड़ी जीत हासिल कर हर टीम की कमजोर कड़ियों को उजागर कर दो। यह भी जुल्म ही है ना, कि आप किसी टीम को अपने सामने 300 का आंकड़ा तक छूने न दो। यह तो जुल्म है ना, कि आपकी 11 की टीम में सभी हीरो हों, कोई किसी मैच में कमाल दिखाए, तो कोई किसी दूसरे मैच में। ये कोई जीतें हुई! ना भई ना, ये जीतना नहीं है यह तो हर प्रतिद्वंद्वी को कुचलना और ऐसे आराम से आगे बढ़ जाना है, मानो यह तो हमारे लिए सामान्य बात थी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

सड़कें चौड़ी हो गई हैं!

पूरन सरमा
व्यंग्यकार

सुबह-सुबह को बुलाया था मुख्यमंत्री ने, बोले-'देखो हम सड़कें चौड़ी कर रहे हैं। आवागमन सुविधाजनक होता जा रहा है।' मैंने कहा-'सड़कें ही क्यों पुल बन रहे हैं और नये-नये फ्लाई ओवर। षहर को आपने चमाचम कर दिया है। बिजली अबाधित है। थोड़ा सा गांवों पर भी ध्यान दें तो अगले चुनाव में नोका आसानी से किनारे जा लगेगी।'

मेरी बात पर थोड़ा झुंझलाये, फिर सहज होकर बोले-'गांवों की और चुनावों की चिंता तुम छोड़ो। मैंने तुम्हें इसलिए बुलाया था कि तुमने देख लिया कि राजधानी में विकास किस गति से गतिमान है।' मैं बोला-'विकास की मत पूछिये। इसके नाम पर तो आपने गंगा बहा दी है। अतिक्रमण की समस्या लगभग समाप्त हो गई है। थोड़ा सा हाउ.सिंग सोसाइटीज पर ध्यान दे लेते तो और उत्तम रहता।' वे फिर बोले-'हाउसिंग सोसाइटी.ज को मारो गोली। विकास की बही गंगा पर एक 'राइट अप' लिख मारो।'

मैंने कहा-'लिख्.ाने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन छपवाना जरा जटिल है।' वे बोले-'उसकी चिंता छोड़ो, सब मैंनेज करा दूंगा। तुम तो अपना 'राइट अप' तैयार करो।'

मैंने कहा-'सर, यह अकाल का क्या लफड़ा है ? आये दिन चला आता है।' वे बोले-'जरा धीरे बोलो, अकाल को कन्टीन्यु करने दो। यह बहुत जरूरी है। काफी लोग जूझ रहे हैं। काफी लोग काम कर रहे हैं। इस तरह काफी लोग खा रहे हैं। काफी लोग जीविका जुटा रहे हैं। अकाल बहुत जरूरी है हमारे लिए। बारिष षुरू तो हो गयी है, लेकिन इससे बात बनी नहीं है। राइट अप में अकालों को तो सब साइड ही कर देना। इसे आवष्यकता हुई तो बाद में देखेंगे। तुम तो हमने जो सड़कें चौड़ी की हैं, दृउस पर गौर करो। कुल मिलाकर विकास की गंगा बह निकली है, उसे केंद्रबिन्दु बनाना है।'

मैं बोला-'सड़कों पर तो लिखना ही पड़ेगा। वाकई सड़कें बहुत चौड़ी हो गई हैं। मकान-दुकान तोड़कर भी इन्हें चौड़ा किया गया है। लेकिन सर इधर सड़क बनकर तैयार होती है और उधर दूसरे ही दिन इन्हें खोद दिया जाता है। कभी सीवर लाइन के लिए और कभी टेलीफोन के लिए ?'

'इसे भी छोड़ो, इसे मैं देख लूंगा, राइट अप में इसका भी जिक्र नहीं करना है।' मैंने कहा .न सड़कें पेरिस का मुकाबला कर रही हैं। इस पर ध्यान देना है तुम्हें। वे बोले तो मैंने कहा-'मैं मानता हूँ। सड़कों के मामले में हम पेरिस से आगे जा रहे हैं। परन्तु महंगाई सुरसा की तरह फैलती जा रही है।'

इस बार उन्होंने दोनों हाथों से अपना सिर पकड़ लिया। बालों को खींचा, आसमान को देखा और फिर मुझे घूरकर बोले-'तुम क्यों नहीं बात का मर्म समझ रहे। महंगाई से मेरा लेना-देना क्या है ? सुनो भूख से कोई मर जाये लेकिन महंगाई से मरते मैंने किसी को नहीं देखा। इधर कलर टीवी हमने सस्ता किया है। खरीदने वालों का तांता लगा हुआ है। इसलिए महंगाई की बात बेमानी है। 'राइट अप' में महंगाई का जिक्र तो 'भूले' से भी नहीं करना है, मैंने कहा न, सड़कें बहुत चौड़ी हो गई हैं। विकास की गंगा बह रही है।'

'सर मैं दोनों ही बातों से इंकार नहीं करता परन्तु गरीबों को दिया जाने वाला सस्ता राषन अभी. तक दूकानों पर नहीं पहुंचा है। वहां कतारें लम्बी हो रही है। गरीबी हटाने के मुद्दे से तो आप मुकर नहीं सकते।' मैंने कहा तो इस बार वे लगभग चिल्लाकर बोले-'षर्मा समझो। गरीबी नहीं मिटाना हमारी विवषता है। कहना और करना दो अलग-अलग बातें हैं और हम उस पर अमल कर रहे हैं। इसलिए इस बात को भी अलग रखो। सड़कें चौड़ी हो गई हैं। इस बिन्दु से हटो नहीं, सबको इस ओर खींचो। सबका ध्यान इस और लग जाये और दिमाग में अच्छी तरह यह बात बैठ जानी चाहिए कि सड़कें वाकई चौड़ी हो गई है।'

मैं बोला-'ओह आई सी. अब मैं समझ गया। सड़कें वाकई बहुत चौड़ी हो गई हैं। सड़कें आदमी को बहुत आगे तक ले जाती हैं। इसलिए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सड़कें बहुत चौड़ी हो गई हैं।' मुख्यमंत्री ने पीने को मंगाया और मैं गला तर करके लौट आया। मुझे रह-रहकर याद हो जाता है कि सड़कें चौड़ी हो गई हैं।

नॉलेज कॉर्नर: काला सोना, जिसने गुलाम और कंगाल कतर के बदल डाले दिन

वो देश जहां हर तीसरा व्यक्ति करोड़पति

कतर और भारत के रिश्ते एक नए मसले की वजह से खतरे में आ गए हैं। कतर की अदालत ने पिछले हफ्ते आठ पूर्व नौ सैनिकों को मौत की सजा सुना दी है। इसके बाद से ही माना जा रहा है कि दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इस पूरे विवाद को भारत के लिए भी एक बड़ी कूटनीतिक चुनौती करार दिया जा रहा है। कतर खाड़ी क्षेत्र का वह देश है जहां पर भारतीयों की मौजूदगी काफी ज्यादा है। एक समय में गुलामी और कंगाली का दंश झेल रहे कतर में आज स्थिति बिल्कुल अलग है। आज यहां का हर तीसरा व्यक्ति करोड़पति है। कतर की गिनती आज दुनिया के अमीर देशों में की जाती है। तेल और गैस के भंडार मिलने के बाद यहां के लोगों की किस्मत बदल गई। आज के नॉलेज कॉर्नर में विस्तार से जानते हैं कतर के बारे में...

गुलामी में बीत गई सदियां

ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स 2023 की रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र ने कतर को दुनिया की बेहतर और विकसित अर्थव्यवस्था माना है, जहां देश के प्रति व्यक्ति की आय 51 लाख रुपए से ज्यादा है, लेकिन किसी समय कतर ने सदियों तक गुलामी की जंजीरों में जकड़ा रहा। साल 1850 में एक देश के तौर पर कतर वजूद में आया। यहां लगातर पीढ़ियां दर पीढ़ियां से यहां खानदान के वारिस को सत्ता मिलती रही। पहले तुर्की और बाद में ब्रिटेन ने गुलाम बनाया। कतर गुलामी और गरीबी दोनों से लड़ता रहा। उस दौर में यहां मूंगे का व्यापार देश की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा था। साल 1971 में इसे आजादी मिली। इससे दो दशक पहले यहां बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी।

1950 में मिले तेल और गैस के भंडार

1950 में यहां कई जगह तेल और गैस के भंडार की खोज हुई। इसके बाद कतर की किस्मत बदलनी शुरू हुई। दुनिया में कतर का रुतबा बढ़ने पर यहां प्रवासी और निवेश पहुंचने लगे। आबादी बढ़ने के साथ यहां पैसा भी आने लगा। 1950 में यहां की आबादी 25 हजार से भी कम थी। 70 के दशक तक यह आंकड़ा एक लाख तक पहुंच गया। अंग्रेजों से आजादी मिलने के बाद यह एक आजाद इस्लामिक मुल्क बना। आज यहां 27 लाख से अधिक लोग रहते हैं। अब हालात ये हैं कि यहां दुबई, सऊदी अरब और अमेरिका से भी ज्यादा अमीर लोग कतर में रहते हैं। यहां का हर तीसरा आदमी करोड़पति है।

दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक

देखते ही देखते कतर प्राकृतिक गैस की सप्लाई के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन गया है। इसके जरिए होने वाली कमाई का फायदा यहां के लोगों को मिलता है। यहां के लोगों को इनकम टैक्स नहीं देना पड़ता। दूसरे छोटे-मोटे नाममात्र टैक्स के होते हैं।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
हमारी क्रिकेट टीम एक बार फिर विजयी हुई है! दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए टीम को बधाई. बढ़िया टीम वर्क.

तेलंगाना चुनाव परिक्रमा: सीएम चंद्रशेखर राव ने चुनाव सभा में कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस ने हमारी पार्टी को समाप्त करने का प्रयास किया: केसीआर

एजेंसी | देवरकद्रा (तेलंगाना)

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर वादा करने के बाद भी तेलंगाना राज्य के गठन में 14 साल की देरी करने का आरोप लगाया और राज्य के लोगों से 30 नवंबर के विधानसभा चुनावों में पार्टियों की साख के आधार पर वोट करने की अपील की। राव ने आरोप लगाया, उन्होंने (कांग्रेस) हमारी पार्टी को समाप्त करने की कोशिश की।

उन्होंने हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश की। यहां एक चुनावी रैली में भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख राव ने लोगों से उनकी पार्टी के उम्मीदवार को वोट देने का अनुरोध किया।

उन्होंने लोगों से कहा कि उन्हें वोट देने से पहले राजनीतिक दलों के पिछले प्रदर्शन के बारे में पता होना चाहिए। तेलंगाना के गठन के अपने वादे के बावजूद, उन्होंने हमारे 14 साल के संघर्ष के बाद ही राज्य का गठन किया, और वह भी तब, जब मैंने राज्य की मांग को लेकर आमरण अनशन किया।

अविभाजित महबूबनगर जिले (पलामुरु) का जिक्र करते हुए केसीआर ने कहा कि उनकी सरकार ने क्षेत्र में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने वाली कई परियोजनाएं पूरी की हैं।

उन्होंने बीआरएस के दोबारा सत्ता में आने पर लंबित परियोजनाओं को पूरा करने का भी वादा किया। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर ने आमजन से अनुरोध किया कि वे लापरवाही से वोट न करें, बल्कि विभिन्न राजनीतिक दलों के व्यवहार का मूल्यांकन करें और गरीबों और किसानों के लिए काम करने वाली पार्टी को वोट देकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

गजवेल: KCR और राजेंद्र के बीच रोमांचक मुकाबला

तेलंगाना में गजवेल निर्वाचन क्षेत्र में भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख एवं मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके पूर्व सहकर्मी तथा भाजपा के विधायक इटाला राजेंद्र के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। कांग्रेस ने केसीआर के मुकाबले तुमकुंतला नरसा रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है। केसीआर गजवेल और कामरेड्डी सीटों से नौ नवंबर को अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। राजेंद्र ने शीर्ष नेतृत्व से टकराव के बाद जून 2021 में बीआरएस (तब टीआरएस) छोड़ दी थी और भाजपा में शामिल हो गए थे। बाद में उन्होंने हुजूराबाद सीट से उपचुनाव लड़ा था और जीत गए थे। राजेंद्र ने पहले कहा था कि वह गजवेल में राव के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे और उन्हें हराएंगे। राव ने 2018 और 2014 में भी गजवेल से जीत हासिल की थी। गजवेल में बीआरएस के चुनाव प्रचार अभियान के प्रभारी प्रताप रेड्डी ने कहा कि भाजपा ने मुदीराज समुदाय से आने वाले राजेंद्र को प्रत्याशी बनाया है जो केवल जातिगत मतों पर निर्भर हैं।इस निर्वाचन क्षेत्र में मुदीराज समुदाय के करीब 38,000 से 40,000 वोट हैं और राजेंद्र संभवत: सभी वोट हासिल न कर पाएं।

'BRS सरकार ने समाज के हर वर्ग को धोखा दिया'

हैदराबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को आरोप लगाया कि तेलंगाना में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति सरकार ने समाज के हर वर्ग को धोखा दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को जीत मिलेगी। यहां संवाददाता सम्मेलन में खेड़ा ने बीआरएस सरकार पर हमला किया और उस पर युवाओं, किसानों और महिलाओं से किए गए चुनावी वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। बीआरएस सरकार '2 बीएचके' मकान देने समेत अपने वादे पूरे नहीं कर रही है।

कांग्रेस के दलदल में फंसा विपक्षी गठबंधन : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस दलदल में बदल गई है और विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' इसमें फंस गया है। चौहान ने इस बारे में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से स्पष्टीकरण की मांग की। चौहान की यह टिप्पणी मध्यप्रदेश में असफल चुनावी गठबंधन को लेकर कांग्रेस नेता कमलनाथ और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बीच विवाद की पृष्ठभूमि में आई है। एक दिन पहले यादव ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने पिछले दिनों जाति जनगणना और मंडल आयोग की रिपोर्ट को लागू करने से रोक दिया था। चौहान ने सिंगरौली में संवाददाताओं से कहा विपक्षी गठबंधन के सहयोगी केवल कांग्रेस को कोस रहे हैं और कह रहे हैं कि यह विश्वसनीय पार्टी नहीं है।

छत्तीसगढ़: प्रथम चरण में 20 सीटों पर मतदान, **मिजोरम:** अंतरराष्ट्रीय सीमा सील

नक्सलियों की मांद में आज गरजेंगे वोटर

एजेंसी | रायपुर

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मंगलवार को नक्सली गतिविधियों से प्रभावित बस्तर व दुर्ग संभाग की 20 सीटों पर मतदान होगा। इन सीटों के लिए चुनाव प्रचार रविवार को थम गया था। पहले चरण में प्रदेश के कई दिग्गज नेता चुनाव मैदान में हैं। शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है। नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग के संवेदनशील इलाकों में स्थित 600 से अधिक मतदान केंद्र तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में रहेंगे। अकेले बस्तर संभाग के 12 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 60 हजार जवानों को तैनात किया गया है।

यहां दिलचस्प मुकाबला

राजनांदगांव: डॉ. रमन को नए चेहरे की

भाजपा के वरिष्ठ नेता व राज्य के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव सीट से चुनाव मैदान में हैं। वहीं, कांग्रेस पार्टी ने नए चेहरे और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता गिरीश देवांगन को टिकट दिया है। अब तक छह बार विधायक का चुनाव जीत चुके सिंह 15 साल तक राज्य के सीएम रहे हैं। यहां सबसे अधिक आबादी पिछड़ा वर्ग की है। जिसमें साहू, लोधी, यादव और अन्य जातियां शामिल हैं

कवर्धा: मोहम्मद अकबर के सामने विजय शर्मा

कवर्धा विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद अकबर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। बीजेपी ने विजय शर्मा को मैदान में उतारा है। अकबर छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद जोगी की सरकार में भी मंत्री रहे हैं। वह चार बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं।

चित्रकोट: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बैज मैदान में

चित्रकोट विधानसभा सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज मैदान में हैं, जहां उनका मुकाबला भाजपा के विनायक गोयल से है। बैज 2013 व 2018 में विधानसभा चुनाव में विजयी रहे। 2019 में बस्तर से सांसद बने।

कोंडागांव: दोनों ओर से दिग्गज प्रत्याशी

कोंडागांव सीट पर दिग्गज नेता व पुराने प्रतिद्वंद्वी चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस ने प्रदेश सरकार में मंत्री मोहन मरकाम को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने पूर्व मंत्री लता उसेंडी को चुनाव मैदान में उतारा है।

कोंटा: मंत्री कवासी लखमा हैं मैदान में

कोंटा सीट पर 1998 से सालों से कांग्रेस पार्टी का कब्जा है। इस सीट से कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर से मौजूदा विधायक और राज्य सरकार में मंत्री कवासी लखमा को टिकट दिया है।

राज्य की 40 सीटों पर आज पड़ेंगे वोट

एजेंसी | दुर्ग / रतलाम

आइजोल। जोरम में मंगलवार को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया जाएगा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 8.57 लाख से अधिक मतदाता 174 उम्मीदवारों के चुनावी भाग्य का फैसला करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मधुप व्यास ने कहा कि मिजोरम के सभी 1,276 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे मतदान शुरू होगा इनमें से 149 सुदूर मतदान केंद्र हैं, जबकि अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास के करीब 30 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 3,000 पुलिस कर्मियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 5,400 कर्मियों को चुनावों के लिए तैनात किया गया है। व्यास ने कहा कि 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा के लिए मतदान से पहले म्यांमार से लगी 510 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा और बांग्लादेश से लगी 318 किलोमीटर लंबी सीमा को सील कर दिया गया है। इसके अलावा असम के तीन जिलों, मणिपुर के दो और त्रिपुरा के एक जिले से लगीं अंतर-राज्यीय सीमाएं भी बंद कर दी गई हैं।

सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट, मुख्य विपक्षी दल जोरम पीपुल्स मूवमेंट और कांग्रेस ने सभी 40 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए हैं। भाजपा और नवोदित आम आदमी पार्टी क्रमशः 23 और 4 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। 27 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं।

चार सीटों पर होगी सबकी नजर

आइजोल-पूर्व-I सीट पर मिजोरम के सीएम जोरमथांगा चुनाव मैदान में हैं। उनके खिलाफ जोरम पीपुल्स मूवमेंट के उपाध्यक्ष लालथनसांगा चुनाव में ताल ठोकेंगे। सेरछिप विधानसभा सीट से पीपुल्स मूवमेंट के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार व मौजूदा विधायक लालडुहोमा चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला एमएनएफ पार्टी के नवागंतुक जे. माल्सावमज़ुअल वानचावंग और कांग्रेस उम्मीदवार आर. वानलालट्लुआंगा से है। हच्छेक विधानसभा सीट भी मिजोरम की हॉट सीट मानी जा रही है। यहां से राज्य के मौजूदा खेल मंत्री रॉबर्ट रोमाविया रॉयटे और कांग्रेस विधायक लालरिंडिका राल्टे की बीच मुकाबला होगा। आइजोल पश्चिम-III सीट पर मौजूदा विधायक वी.एल जैथनजामा और मिजोरम कांग्रेस अध्यक्ष लालसावता आमने-सामने होंगे। मिजोरम नेशनल फ्रंट के उम्मीदवार के. सॉमवेला भी इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर लगभग कड़ी टक्कर होने की उम्मीद है।

कई विधायक कांग्रेस में होंगे शामिल

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को कहा कि आने वाले दिनों में राज्य में भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) के कई विधायक, नेता और कार्यकर्ता स्वेच्छा से कांग्रेस में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ऑपरेशन हस्त में शामिल नहीं है। सिद्धरमैया ने कहा कि उनके नेतृत्व वाली सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद राज्य में मुख्यमंत्री बदला जाएगा या नहीं, यह कांग्रेस आलाकमान तय करेगा। सिद्धरमैया ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ऑपरेशन हस्त' चलाने का कोई सवाल ही नहीं है, जो भी पार्टी में आएगा हम उसे शामिल करेंगे। कोई 'हस्त' नहीं, कोई ऑपरेशन नहीं। जो कोई भी हमारी पार्टी की विचारधारा और नेतृत्व को स्वीकार करते हुए पार्टी में आएगा - चाहे वह भाजपा से हो या जद(एस) से हो, क्या हम) 'ना' कह सकते हैं?

'कांग्रेस लूट, भ्रष्टाचार का पर्याय'

एजेंसी | जशपुर (छत्तीसगढ़)

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यहां सोमवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि यह पार्टी लूट, अत्याचार, भ्रष्टाचार और परिवारवाद का पर्याय है।

छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली में नड्डा ने कहा कि राज्य में भूपेश बघेल सरकार लूट और धोखे की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा, भारत 2027-28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अपनी पार्टी की सराहना करते हुए नड्डा ने कहा, 'भाजपा का मतलब विकास, संवृद्धि और लोगों का कल्याण है। हमें आपकी परवाह है, लेकिन उन्हें भ्रष्टाचार और लूट की परवाह है। आपको पनडुब्बी घोटाला, हेलिकॉप्टर घोटाला, कोयला घोटाला, राष्ट्रमंडल खेल घोटाला, मनरेगा घोटाला याद होगा। उन्होंने राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा, भूपेश बघेल की सरकार धोखा और भ्रष्टाचार की गारंटी है। राज्य में शराब घोटाला समेत कई घोटाले हुए हैं।

नगालैंड: CCTV की रहेगी नजर

कोहिमा। नगालैंड के मोन जिले की तापी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के दौरान सभी मतदान केंद्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रहेंगे। निर्वाचन अधिकारी आर. जमीर ने कहा कि 23 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। सात मतदान केंद्र संवेदनशील और छह मतदान केंद्र अति संवेदनशील हैं। हमारे पास अभितक चुनाव संबंधी हिंसा की कोई रिपोर्ट नहीं आई है।

शिवराज का राग चुनावी

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को सिंगरौली जिले के देवसर में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार किया। इस दौरान सीएम चौहान गीत गा रही महिलाओं के बीच पहुंचे।

मध्य प्रदेश की चुनावी डायरी

मुफ्त में उद्योगपतियों को दिए जा रहे हैं PSU

एजेंसी | धार (मप्र)

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को आरोप लगाया कि जीएसटी और नोटबंदी ने छोटे व्यापारियों तथा अन्य नागरिकों को गंभीर रूप से परेशान किया है। इसके साथ ही उन्होंने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी इकाइयों (पीएसयू) के निजीकरण समेत सरकार की आर्थिक नीतियों के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना की। प्रियंका मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल धार जिले के कुक्षी शहर में एक रैली को संबोधित कर रही थी। केंद्र पर हमला करते हुए, प्रियंका ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र की

कंपनियों को मुफ्त में उद्योगपतियों को दिया जा रहा है, चाहे वह भेल, रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह आदि ही क्यों न हों, इस कार्रवाई से देश में बेरोजगारी पैदा हो रही है। उन्होंने पहले नोटबंदी लागू की और फिर जीएसटी को थोप दिया। जीएसटी ने छोटे व्यापारियों सहित सभी को परेशान किया है, जिसके कारण महंगाई बढ़ी है।

प्याज की कीमतों को लेकर पीएम पर तंज

प्याज की बढ़ती कीमतों की ओर इशारा करते हुए,प्रियंकाा ने भीड़ से कहा कि एक समय प्रधानमंत्री मोदी मजाक उड़ाते थे कि सचिन तेंदुलकर पहले शतक बनाएंगे या प्याज। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा, अब विराट और प्याज दोनों ने शतक बनाए हैं। अब आपको क्या कहना है। प्रधानमंत्री पर आगे हमला करते हुए, प्रियंका ने दावा किया कि वह यात्रा के लिए कुल मिलाकर 16,000 करोड़ रुपए के दो विमानों का इस्तेमाल करते हैं और महंगे सूट पहनते हैं।) संसद के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण के लिए 20,000 करोड़ रुपए खर्च किए हैं।

किसान की कमाई 27, अडाणी 1600 करोड़

प्रियंका ने आरोप लगाया कि जहां किसान प्रति दिन केवल 27 रुपए कमा रहे हैं, वहीं उद्योगपति गौतम अडाणी सरकार की मदद से प्रति दिन 1,600 करोड़ रुपए कमा रहे हैं। उन्होंने रैली में कहा, केंद्र सरकार ऊंची इमारतें बना रही है, लेकिन फिर कहती है कि उसके पास किसानों का बकाया चुकाने या उनका कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं।

सत्ता का स्वाद छिपा है मालवा और निमाड़ में, 66 सीटों पर टिकी नजर

एजेंसी | भोपाल

कांग्रेस ने पिछले चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा को पछाड़कर विधानसभा पर परचम फहराया तो विश्लेषकों ने इसका श्रेय खाने में स्वाद और बोली में मिठास के लिए मशहूर मध्य प्रदेश के मालवा-निमाड़ क्षेत्र में पार्टी की विजय को दिया था। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 15 जिलों में फैली 66 सीटों वाला पश्चिमी मध्य प्रदेश का मालवा-निमाड़ क्षेत्र 230 सदस्यीय विधानसभा तक पहुंचने की कुंजी रखता है, जहां कांग्रेस और भाजपा के बागी भी आगामी चुनावों में चौंका सकते हैं। इस बार एक दर्जन से ज्यादा सीटों पर दोनों राजनीतिक दलों के बागी

नतीजे बदल सकते हैं। कांग्रेस ने पिछले विधानसभा चुनाव में इस क्षेत्र की 66 सीटों में से 35 सीटें जीतीं, जबकि 2013 में यह संख्या नौ थी।

दूसरी और, भाजपा को भारी नुकसान हुआ और संख्या 57 (2013) से गिरकर 2018 में 28 हो गई। हालांकि बाद में 'भारत जोड़ो यात्रा' को मध्य प्रदेश के 380 किलोमीटर के दायरे से गुजरना था, तो कांग्रेस ने इस यात्रा के लिए सोची समझी रणनीति के तहत इस क्षेत्र को चुना। विश्लेषकों का मानना है कि मालवा-निमाड़ क्षेत्र में अपनी बढ़त के कारण कांग्रेस पिछले विधानसभा चुनाव में 114 सीटों के साथ बहुमत के करीब पहुंची और कमल नाथ के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाई। मालवा-निमाड़ क्षेत्र में 15 जिले शामिल हैं।

राज्य की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 47 सीटों में से 22 इसी क्षेत्र में हैं। पिछली बार कांग्रेस ने 15 सीटें जीतकर आदिवासियों के बीच अपना आधार बढ़ाया था, जबकि 2013 में पार्टी का छह विधानसभा क्षेत्रों पर कब्जा था।

जरूरी खबर

न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र द्वारा 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) पर लगाए गए प्रतिबंध की पुष्टि करने संबंधी गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम (यूएपीए) न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी। न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस और न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि न्यायाधिकरण के आदेश के खिलाफ पहले हाई कोर्ट जाना पीएफआई के लिए उचित होगा। पीएफआई की ओर से वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने न्यायालय के इस विचार से सहमति व्यक्त की कि संगठन को पहले हाई कोर्ट का रुख करना चाहिए था और फिर शीर्ष अदालत के पास आना चाहिए था।

यूरोपीय संघ में भारत के सैन्य अताशे की नियुक्ति

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ ने दोनों पक्षों के बीच बढ़ते रक्षा और रणनीतिक सहयोग को दर्शाते हुए भारत में अपने मिशन में एक सैन्य अताशे की नियुक्ति की है। यह पहली बार है जब यूरोपीय संघ ने भारत के लिए एक सैन्य अताशे नियुक्त किया है। भारत और 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के बीच समग्र रणनीतिक संबंध पिछले कुछ वर्षों में प्रगाढ़ हुए हैं। भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल है जहां यूरोपीय संघ ने सैन्य अताशे नियुक्त किए हैं। यूरोपीय संघ भारत और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के कई अन्य देशों के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

हितेश मकवाना को महासर्वेक्षक नियुक्त किया

नई दिल्ली। केंद्र में सोमवार से प्रभावी वरिष्ठ नौकरशाहों के तबादलों के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हितेश कुमार एस.मकवाना को भारत का महासर्वेक्षक नियुक्त किया है। मकवाना 1995 आईआईएस बैच के तमिलनाडु काडर के अधिकारी हैं और मौजूदा समय में गृह मंत्रालय में अपर सचिव के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक उन्हें इस पद पर भर्ती नियमों से परे जाकर महासर्वेक्षक नियुक्त किया है। इस दौरान उनका पद और वेतन अपर सचिव के स्तर का होगा। इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी में राष्ट्रीय ई गवर्नेंस प्रकोष्ठ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे अभिषेक सिंह को अब इसी मंत्रालय में अपर सचिव नियुक्त किया गया है।

भारत आटा की बिक्री: 100 मोबाइल वैन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली से 'भारत' ब्रांड के अंतर्गत गेहूं के आटे की बिक्री के लिए 100 मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाई। आटा 27.50 रुपए प्रति किलोग्राम की एमआरपी पर उपलब्ध होगा। यह केंद्र सरकार द्वारा आम उपभोक्ताओं के कल्याण के लिए उठाया गया कदम है। 'भारत' आटा केंद्रीय भंडार, नेफेड और एनसीसीएफ के सभी फिजिकल और मोबाइल आउटलेट पर उपलब्ध होगा और इसका विस्तार अन्य सहकारी/खुदरा दुकानों तक किया जाएगा।

छात्राओं के शौचालय के लिए नियमावली बनाएं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह देश के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और आवासीय स्कूलों में छात्राओं के लिए उनकी संख्या के आधार पर शौचालयों के निर्माण को लेकर राष्ट्रीय आदर्श नियमावली बनाए। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई.चंद्रचूड़ ने इसके साथ ही केंद्र सरकार से उस नीति के बारे में सवाल किया जिसे उसने पूरे देश में छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन वितरित करने के लिए बनाया है। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को सेनेटरी नैपकिन वितरण में एकरूपता लानी चाहिए। न केंद्र ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि स्कूल जाने वाली लड़कियों को मुफ्त में सेनेटरी नैपकिन बांटने के लिए राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार किया गया है और उसे हितधारकों को उनकी राय जानने के लिए भेजा गया है।

दिल्ली: सातवें दिन भी वातावरण में छाई रही जहरीली धुंध

NCR में वायु प्रदूषण 7-8 गुना बढ़ा, स्कूली पढ़ाई ऑनलाइन

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सोमवार को प्रदूषण का स्तर सुरक्षित मानदंड से सात से आठ गुना अधिक दर्ज किया गया और लगातार सातवें दिन क्षेत्र के वातावरण में जहरीली धुंध छाई रही।

दिल्ली सरकार ने दिवाली के बाद हवा की गुणवत्ता में और अधिक गिरावट की आशंका को देखते हुए चार साल बाद वाहनों को चलाने की अपनी प्रमुख 'सम-विषम' योजना को लागू करने की घोषणा की है।

स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य के लिहाज से सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के सभी विद्यालयों को 10 नवंबर तक 10वीं और 12वीं कक्षा को छोड़कर बाकी कक्षाओं की ऑफलाइन कक्षाएं निलंबित करने का भी फैसला लिया है।

पराली जलाने की 4,160 घटनाएं

नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के अनुसार, रविवार को उत्तर भारत से खेतों में पराली जलाने की कुल 4,160 घटनाएं सामने आईं - जो इस मौसम में अब तक की सबसे अधिक घटनाएं हैं। पंजाब सुदूर संवेदी केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, अकेले पंजाब में पराली जलाने की 3,230 घटनाएं दर्ज की गईं, जो इस मौसम में एक दिन में राज्य में सबसे ज्यादा हैं।

दिल्ली में सोमवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अपराह्न चार बजे 421 दर्ज किया गया। पड़ोसी राज्य हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में भी वायु गुणवत्ता बेहद खराब अथवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई।

भरतपुर, भिवाड़ी सहित कई शहरों में हैं वायु प्रदूषण की स्थिति गंभीर

पंजाब के अमृतसर से लेकर पश्चिम बंगाल के आसनसोल तक, सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में सोमवार को वायु गुणवत्ता का संकट गहराता दिखा जिससे इस क्षेत्र में रहने वाली देश की करीब 40 प्रतिशत आबादी को असुविधा का सामना करना पड़ा। वायु गुणवत्ता का यह संकट देश के कई अन्य हिस्सों में भी दिखा। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों के अनुसार, सिंधु-गंगा के मैदानी इलाकों में धुंध छाई हुई है। सोमवार को राजस्थान के श्री गंगानगर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 310, चूरू (308), भरतपुर (319), भिवाड़ी (433), धौलपुर में 357 दर्ज किया गया, जबकि हरियाणा के फरीदाबाद में 412, फतेहाबाद (422), जिंद (381), हिसार (377), भिवानी (335), सोनीपत (417) और गुरुग्राम में 373 रहा।

केजरीवाल ने की स्थिति की समीक्षा

इससे पहले, सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सर्दियों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक कार्य योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए अपनी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार, राजधानी में एक नवंबर से 15 नवंबर तक प्रदूषण उस समय चरम पर होता है, जब पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं की संख्या बढ़ जाती है।

मोदी की ईरानी राष्ट्रपति से वार्ता

दोनों नेताओं ने तनाव कम करने व शांति बहाली पर दिया जोर

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति सैयद इब्राहिम रईसी ने सोमवार को पश्चिम एशिया क्षेत्र में मुश्किल हालात और इजराइल-हमास संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के मुताबिक, पीए मोदी ने आतंकवादी घटनाओं, हिंसा और आम नागरिकों की मौत पर गहरी चिंता व्यक्त की।

रईसी के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में मोदी ने इजराइल-फलस्तीन मुद्दे पर भारत के पुराने और सुसंगत रुख को दोहराया। राष्ट्रपति रईसी ने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को लेकर अपना आकलन साझा किया। दोनों नेताओं ने तनाव को कम करने, निरंतर मानवीय सहायता सुनिश्चित करने और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों नेताओं ने बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की भी समीक्षा की। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पश्चिम एशिया की कठिन स्थिति और इजराइल-हमास संघर्ष पर ईरान के राष्ट्रपति रईसी के साथ दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान किया। तनाव बढ़ने से रोकना, निरंतर मानवीय सहायता सुनिश्चित करना और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली महत्वपूर्ण है।

चाबहार बंदरगाह सहित हमारे द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति का स्वागत किया। बयान के अनुसार मोदी और रईसी ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में सुधार के लिए ईरान में चाबहार बंदरगाह को प्राथमिकता देने का स्वागत किया।

आप विधायकों का केजरीवाल से आग्रह

गिरफ्तार होने पर भी बने रहें सीएम

एजेंसी | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को कहा कि पार्टी के सभी विधायकों ने अरविंद केजरीवाल से दिल्ली का मुख्यमंत्री बने रहने का आग्रह किया है, भले ही उन्हें किसी भी जांच एजेंसी द्वारा गिरफ्तार कर लिया जाए।

पिछले हफ्ते, केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में तलब किया था। हालांकि, वह समन को राजनीति से प्रेरित करार देकर जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए थे। आप के मंत्रियों और नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों की हालिया कार्रवाई को लेकर रोष के बीच सीएम केजरीवाल ने सोमवार दोपहर को पार्टी विधायकों की बैठक बुलाई।

बैठक के बाद, दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बैठक में मौजूद सभी विधायकों ने सीएम केजरीवाल से कहा , अगर वह गिरफ्तार होते हैं, तो भी वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, क्योंकि दिल्ली की जनता ने सरकार चलाने के लिए उन्हें जनादेश दिया है।

OBC के तहत मराठों के आरक्षण का विरोध करेंगे

जालना। महाराष्ट्र के मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित गुट) के नेता छगन भुजबल ने सोमवार को कहा कि अन्य पिछड़ी जाति वर्ग के तहत मराठों को आरक्षण देने के लिए पिछले दरवाजे से किये जा रहे प्रयास का विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिंसा और दबाव की रणनीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी मराठों के लिए आरक्षण की मांग के बीच आई है।

किया आदि शंकराचार्य को नमन

रूद्रप्रयाग। कांग्रेस नेता राहुल गांधी केदारनाथ धाम की यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को आदि शंकराचार्य की समाधि स्थल गए और वहां उनके दर्शन किए। उन्होंने संतों को भोजन भी कराया।

यूएनडीपी: एशिया-प्रशांत मानव विकास रिपोर्ट

भारत में गरीबी घटी पर आय में असमानता है कायम

एजेंसी | नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत उच्च आय और धन की असमानता वाले शीर्ष देशों में शामिल है लेकिन 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी में रहने वाली आबादी का हिस्सा 25 से गिरकर 15 प्रतिशत रह गया है। सोमवार को जारी '2024 एशिया-प्रशांत मानव विकास रिपोर्ट' में दीर्घकालिक प्रगति की तस्वीर पेश पेश की गई है। साथ ही इसमें लगातार असमानता और व्यापक व्यवधान का भी जिक्र किया गया है। साथ ही आय और संपत्ति के मामले में बढ़ती असमानता को लेकर चिंता जाहिर की गई है और इस दिशा में ठोस कदम उठाये जाने की वकालत की गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2000 और 2022 के बीच प्रति व्यक्ति आय 442 डॉलर से बढ़कर 2,389 डॉलर हो गई। वहीं 2004 और 2019 के बीच गरीबी दर (प्रति दिन 2.15 अमेरिकी डॉलर के अंतरराष्ट्रीय गरीबी माप के आधार पर) 40 प्रतिशत से गिरकर 10 प्रतिशत रह गई। वर्ष 2015-16 और 2019-21 के बीच बहुआयामी गरीबी में रहने वाली आबादी का हिस्सा 25 से गिरकर 15 प्रतिशत हो गया।

मानव विकास में निवेश को दें प्राथमिकता

संयुक्त राष्ट्र के सहायक महासचिव और एशिया तथा प्रशांत के लिए यूएनडीपी के क्षेत्रीय निदेशक कान्नी विग्नाराजा ने कहा, रिपोर्ट इस बात पर जोर देती है कि मौजूदा चुनौतियों पर काबू पाने के लिए हमें मानव विकास में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी।

इन राज्यों में ज्यादा गरीबी

रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी को कम करने में सफलता जरूर मिली है, लेकिन यह उन राज्यों में ज्यादा है, जहां देश की 45 प्रतिशत आबादी रहती है। यहां पर देश के 62 प्रतिशत गरीब रहते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे बहुत से लोग हैं, जो गरीबी रेखा से ठीक ऊपर हैं। जिन समूहों के दोबारा गरीबी में जाने का खतरा है, उनमें महिलाएं, अनौपचारिक श्रमिक और अंतर-राज्य प्रवासी शामिल हैं।

महिलाओं को लेकर चिंता

रिपोर्ट के अनुसार महिलाएं श्रम शक्ति का केवल 23 प्रतिशत हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से विकास के बीच आय वितरण में असमानता बढ़ी है। मुख्य रूप से वर्ष 2000 के बाद की अवधि में संपत्ति में असमानता में बढ़ोतरी ज्यादा हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत वैश्विक मध्यम वर्ग (12 डालर से 120 डालर के बीच जीवनयापन करने वाले लोग) की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र इस साल वैश्विक आर्थिक विकास में दो-तिहाई का योगदान देगा।

नए विधेयकों पर रिपोर्ट स्वीकार, विपक्ष असहमत

एजेंसी | नई दिल्ली

गृह मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने औपनिवेशिक काल के कानूनों के स्थान पर लाए गए तीन विधेयकों की जांच कर रही संसदीय समिति ने सोमवार को अपनी मसौदा रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इसमें कई संशोधन सुझाए गए हैं और प्रस्तावित कानूनों के हिंदी नामों को बरकरार रखने पर भी जोर दिया गया है। समिति में शामिल लगभग 10 विपक्षी सदस्यों के लिखित में अपनी असहमति दर्ज कराने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने काफी देर अपनी बात रखी और कई सुझाव दिए। उनके सुझावों में यह भी था कि समिति को सामुदायिक सेवा को परिभाषित करना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि सदस्यों को असहमति पत्र देने के लिए दो दिन के बजाय तीन दिन का समय मिलना चाहिए, हालांकि समिति 48 घंटे की समय सीमा पर अडिग है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी जैसे कुछ विपक्षी सदस्यों ने पहले ही लिखित में अपनी असहमति दर्ज करा दी है, वहीं, कुछ अन्य के अगले दो दिनों में असहमति पत्र सौंपने की संभावना है।

सूत्रों का कहना है कि समिति विधेयकों को दिए गए हिंदी नामों को लेकर अडिग है और दयानिधि मारन सहित कुछ विपक्षी सदस्यों के उन सुझावों को नजरअंदाज कर दिया है कि उनका अंग्रेजी संस्करण भी होना चाहिए।

SELEBS IN CITY: WAR के 'मेजर कबीर' की झलक पाने को जयपुराइट्स हुए क्रेजी

ऋतिक ON THE 'पिंक रोड'

फोटो: पंकज शर्मा

बेधड़क. जयपुर। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज जयपुर की जर्नी पर आए दिन आते रहते हैं। सोमवार 'मेजर कबीर' के नाम रहा। वॉर मूवी में अभिनेता रितिक रोशन का यही नाम था, जो काफी पॉपुलर रहा था। अब टाइगर 3 में उनकी एंट्री ने इस नाम को और चर्चा में ला दिया है। ऐसे में जब सोमवार को रितिक पिंकसिटी आए तो फैंस उनको देखने के लिए बावळे नजर आए। जोश से मेजर कबीर और रितिक-रितिक चिल्लाते हुए उनसे हाथ मिलाने को उतावले आए। उनके साथ होने के पल को अपने मोबाइल्स में कैद करने की मशक्कत करते नजर आए।

फैंस का रखा पूरा मान

फैंस की भीड़ होने से एक बार तो रोड पर जाम की स्थित बन गई। उनकी झलक पाने के लिए जयपुराइट्स सड़क के डिवाइडर पर चढ़ गए। रितिक ने भी अपने फैंस का पूरा मान रखा। उन्होंने दूर वाले फैंस का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। जो फैंस उनके पास में थे उनके हाथों से हाथ टच कर अपनत्व का अहसास करवाया और जो बिल्कुल उनके नजदीक थे उनके साथ सेल्फी खिंचवाकर सबको खुश कर दिया।

उड़ान एयरोमॉडलिंग क्लब ने ड्रोन कलाबाजी दिखाकर जीते पुरस्कार

बेधड़क. जयपुर। एयर शो में टीम के बनाए ड्रोन की कलाबाजियों ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। ये थे पूर्णिमा ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के स्टूडेंट काउंसिल के उड़ान एयरोमॉडलिंग क्लब के मैंबर्स, जिन्होंने टेक्निकल इनोवेशन से कई उपलब्धियां अपने नाम कीं। हाल ही में एमएनआईटी में हुए स्फिंक्स फेस्ट में क्लब ने प्रथम, तृतीय और चतुर्थ स्थान हासिल कर 20 हजार रुपए की पुरस्कार राशि जीती है। उड़ान एयरोमॉडलिंग क्लब की टीम स्लेयर्स ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टीम एवियोनिक स्काईलार्क्स तृतीय और टीम एवियोनिक ग्लेडियेटर्स चतुर्थ स्थान पर रही। साथ ही क्लब ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली में प्रतियोगिता में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त कर 20,500 रुपए की पुरस्कार राशि जीती। दोनों प्रतियोगिताओं में देशभर की कई टीमें शामिल हुई थीं, जिन्हें पछाड़कर उड़ान क्लब ने श्रेष्ठता साबित की। उपलब्धियों पर पीसीई डायरेक्टर डॉ. महेश बुंदेले, वाइस प्रिंसिपल डॉ. पंकज ढेमला, पीआइईटी डायरेक्टर डॉ. दिनेश गोयल, फैकल्टी एडवाइजर डॉ. गरिमा माथुर व कॉर्डिनेटर डॉ. पायल बंसल ने उड़ान क्लब मैंबर्स को बधाई दी।

शहरवासियों ने जरूरतमंदों के लिए दिल खोल किया डोनेट

बेधड़क. जयपुर। वसुधा जन विकास संस्थान और पिंक क्लब वेलफेयर सोसायटी की ओर से सी-स्कीम स्थित केके स्क्वायर में दिवाली डोनेशन ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में शहरवासियों ने जरूरतमंद लोगों के लिए कई वस्तुएं डोनेट कीं। इस अवसर पर महिलाओं की बनाई कई हस्तनिर्मित वस्तुओं को शोकेस किया गया। मोना शर्मा ने बताया कि डोनेशन ड्राइव में फेस्टिवल सीजन में काम आने वाली जरूरत की कई वस्तुएं डोनेट की गईं। इसमें कॉपी-किताबें, स्कूल बैग, बिना मावे वाली मिठाइयां, कपड़े, जूते-चप्पल, कपड़े, बैग व बर्तन आदि शामिल थे। सुषमा केके ने बताया कि एकत्र की गई ये सारी वस्तुएं टीम कच्ची बस्तियों में वितरित करेगी। डोनेशन ड्राइव में प्रिया शर्मा, पूनम शर्मा, केके अग्रवाल, गीता यादव, कमलेश सोनी, रश्मि, प्रमिला सांभरिया, संतोष बम और अनीता सचदेवा आदि उपस्थित रहीं।

City इवेंट्स

दुर्घटना के प्रति जागरूकता के लिए शिक्षण संस्थानों में बांट रहे हेलमेट

बेधड़क, जयपुर। हेलमेट को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए शहर के शिक्षण संस्थानों में मुस्कान फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसे संयुक्त राष्ट्र के विश्व स्मृति दिवस पर सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की याद में विश्व स्तरीय दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। याद में मुस्कान फाउंडेशन सहित 35-40 शिक्षा संस्थानों ने मिलकर पहल की है। फाउंडेशन शिक्षण संस्थानों में छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व के विषय में जागरूक कर रहा है। स्कूलों के सहायक कर्मचारियों ड्राइवर, मल्टी टास्कींग स्टॉफ, गार्ड्स को हेलमेट वितरित किए गए। खासकर हेलमेट के सही इस्तेमाल और स्टैंडर्डराइज हेलमेट खरीदने में असक्षम दोपहिया वाहन चालकों व पीछे बैठने वालों को भी सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए हेलमेट मुहैया कराए। अब तक जयपुर के 11 स्कूलों में फ्री हेलमेट वितरण कार्यक्रम किया जा चुका है।

EPCC टी-20 क्रिकेट सीरीज के सीजन-1 की चैंपियन JCA हॉक्स

बेधड़क, जयपुर। भांकरोटा स्थित ईडन पार्क मैदान पर खेली गई ईपीसीसी टी-20 क्रिकेट सीरीज सीजन-I जेसीए हॉक्स ने 6 विकेट से जीतकर अपने नाम कर ली है। ईडन रॉयल्स बनाम जेसीए हॉक्स के फाइनल मुकाबले में ईडन रॉयल्स के कप्तान आशीष गट्टानी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ओम गुर्जर 26, कुलदीप 43 व दीपक 55 की अर्द्धशतकीय पारियों की बदौलत 20 ओवर में ईडन रॉयल्स ने 189 रन बनाए। जेसीए हॉक्स के नरेंद्र मीणा ने 3 विकेट लिए। ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए नरेंद्र मीणा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथी पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज पंकज सिंह ने दोनों टीमों को जीत शुभकामनाएं दी। आयोजनकर्ता गर्वित नारंग, मुकेश बागड़ा, मैच रैफरी मदन कलाल ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज व बेस्ट बल्लेबाज दीपक कुमार शर्मा, बेस्ट गेंदबाज कमल भारद्वाज व बेस्ट फिल्डर का पुरस्कार यश को दिया गया। इस मौके पर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के अलावा कार्तिकिय, भरत दिक्षित, सतीश कुमावत, गजराज, पवन बागड़ा, रविकांत शर्मा आदि मौजूद थे।

लोकरंग: सांस्कृतिक विविधता से साक्षात्कार

भवई, कोलकली, चकरी, गरबा और घूमर का जयपुर में संगम

बेधड़क | जयपुर

लोक कला को जयपुराइट्स ने हर रंग में देखा और समझा। कलाकारों से उनकी खासियत भी पूछी। हर कोई अलग-अलग राज्यों की कलाओं से रूबरू होता रहा। मौका था जवाहर कला केन्द्र की ओर से 26वे लोकरंग महोत्सव में प्रस्तुतियों का, जिसमें कला प्रेमियों ने चर्चा भी की। दूसरी ओर शिल्पग्राम में राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में नेशनल और स्टेट अवॉर्डी हस्तशिल्पियों का हुनर दिखाई दे रहा है। लोकरंग के 9वें दिन शिल्पग्राम के मुख्य मंच पर भवई, केरल के कोलकली, चकरी, गुजरात के गरबा, जम्मू-कश्मीर के बचनगमा, तेलंगाना के गुसाड़ी, चरी और पंजाब के जिन्दवा की प्रस्तुतियां हुईं। कुल 280 कलाकारों ने प्रस्तुतियां देते हुए 8 राज्यों की संस्कृति को जयपुर में दर्शाया। कर्नाटक के ढोलू कुनीथा से राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह की शुरुआत हुई। गुजरात की टीपणी के बाद हिमाचल प्रदेश के सिरमौर नाटी की प्रस्तुति हुई। त्रिपुरा की कलाकारों ने होजागिरी में नई मुद्राओं के संयोजन से मनोरंजन किया। घूमर की प्रस्तुति में राजस्थानी की संस्कृति का वैभव दिखाई दिया तो तमिलनाडु के कड़घम कटकल और असम के बारदोई शिखला के बाद गुलाबो सपेरा की कालबेलिया नृत्य प्रस्तुति ने झूमने पर मजबूर किया। शुरुआत जितने जोश से हुई उतनी ही ऊर्जा के साथ समापन किया गया। आंगिक अभिनय प्रधान झारखंड के पुरुलिया छऊ नृत्य की प्रस्तुति में महिषासुर मर्दनी के प्रसंग को साकार किया गया।

फन ट्विंकलर कार्निवल लगाया

बच्चों ने की जरूरतमंद बच्चों के लिए विद्यालय खोलने की पहल

बेधड़क | जयपुर

बच्चों ने बच्चों के भविष्य के लिए कदम बढ़ाए तो बड़ों ने भी उन्हें सेल्यूट किया। ये थे राउंड टेबल एंड लेडीज सर्किल इंडिया के जयपुर चैप्टर्स 191-117 के फन ट्विंकलर कार्निवल दिवाली फैमिली मेले को साकार करने वाले जयपुर के बच्चे।

इस दौरान गेम्स, फन एक्टिविटीज, फूड आदि को एंजॉय किया। 1300 से ज्यादा लोगों ने शिरकत करके यंग एंट्रेप्रेन्यूर्स को मोटिवट किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों के लिए स्कूल बनाना था। चेयरमैन गौरव गुप्ता ने बताया कि राउंड टेबल व लेडीज सर्किल हर साल कई स्कूल को सपोर्ट करता है। इस बार बच्चों को डोनेशन की अहमियत समझाने के लिए कार्निवल लगाया। इस दौरान सी-स्कीम स्थित चैम्पियंस स्टूडियो के बच्चों ने ऑर्केस्ट्रा से रंग जमा दिया। मेघा गुप्ता ने बताया कि बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए प्राइज्स रखे गए। जग्गलर शो, फायर डांस शो, डिज्नी परेड, दिवाली आतिशबाजी शो भी खास रहा। हिमांशु मेंडीरत्ता ने मौजूद परिवारों को स्कूल के लिए ब्रिक और बेंच दान का मतलब समझाया। इस दौरान प्रियंका कोठारी, अक्षय टोशनीवाल, रोहित बावड़ी, तन्या भगेरिया, नेहा कपूर, शैली मित्तल, भावना मेहता, सुनील कोठारी, महक रानीवाला, अश्विना मेहता, अपेक्षा भार्गव, परी खंडेलवाल, योषिता खंडेलवाल और सभी राउंड टेबल मैंबर्स ने स्कूल बनाने की पहल की।

रवींद्र मंच | भारती सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था ने किया म्यूजिकल प्ले

'बेटी बिना जीवन सूना' में नारी सशक्तीकरण का संदेश

बेधड़क | जयपुर

गांव का बाबू लाल प्रतिभावान बेटी की पढ़ाई अंधविश्वास और पुरानी सोच के कारण बंद कर देता है। साथ ही पूर्वजों की चली आ रही सोच के कारण छोटी उम्र में बेटी की शादी भी कर देता है। ससुराल जाकर प्रतिभावान बेटी के साथ जो-जो होता है, उसे कलाकारों ने मंच पर बेखूबी दर्शाया और कला का परिचय देकर कहानी को आगे बढ़ाया।

मौका था दृश्य भारती सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था की ओर से नारी सशक्तीकरण के तहत बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर आधारित म्यूजिक प्ले 'बेटी बिना जीवन सूना' नाटक के मंचन का, जो रवींद्र मंच पर प्ले किया गया।

घर में होने लगा रोज क्लेश

शादी के बाद से ही बेटी गंगा का पति प्रेम गलत संगत में पड़ जाता है और शराबी होने के साथ जुआ भी खेलता है। पहले से ही दो बेटियां होने व पेट बच्चा होने से रोज घर में क्लेश होते रहते हैं। पेट में बच्चे को मारने के लिए गंगा का पति और सास भोपे से लाई दवा पिलाने के लिए रोज गंगा से मार-पीट करते हैं। ऐसे में बहादुर गंगा पूरे परिवार से अकेली स्वयं ही मुकाबला करती है।

...और प्रेम लेता है संकल्प

कुछ समय बाद प्रेम का दिल गंगा की दयनीय स्थिति देखकर बदल जाता है और वे मां के अत्याचारों से त्रस्त गंगा की दोनों बेटियों को पढ़ाने व पेट में पल रहे बच्चे को नहीं मारने का संकल्प लेता है। फिर प्रेम का पिता अपनी पत्नी को बेटियों के लक्ष्मी स्वरूप के बारे में समझता है और वह समझ जाती व सभी से माफी मांगती है। गंगा भी सबको माफ कर देती है।

इन्होंने जीवंत किया नाटक

मोनिका, उमा शर्मा, लोचन हाडा, सुशील, आदित्य, पार्थ, श्रुति, काजल चौहान, राहुल, कुलदीप, विजयलक्ष्मी, संजय, विजय, कनिष्क, बबिता, आर्यन, लविश, गर्विका, सुगना, सुमन, कृतिका, स्पर्श, सुरेंद्र, आयुषी, पुनीत आदि ने नाटक को अपनी जीवंत अभिनय से साकार कर दिया।

इजराइली बलों ने गाजा सिटी को घेरा, उत्तरी हिस्से को दक्षिण हिस्से से किया अलग

युद्ध में 10,000 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत

एजेंसी । दीर अल बलाह

इजराइली सेना ने सोमवार तड़के गाजा सिटी की घेराबंदी कर दी और हमास शासित क्षेत्र के उत्तरी हिस्से को दक्षिणी हिस्से से अलग कर दिया। पूरे गाजा में रातभर कई घंटों तक ठप रही संचार सेवा बहाल हो गई है।

इजराइली मीडिया ने बताया कि सैन्य बलों के शहर में सोमवार या मंगलवार को घुसने और वर्षों से तैयारी कर रहे आतंकियों के सुरंगों के बड़े नेटवर्क का इस्तेमाल कर सड़कों पर लड़ने की संभावना है। युद्ध में दोनों पक्षों की मृतक संख्या बढ़ने की आशंका है। इस युद्ध में फिलिस्तीन के 10,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में हुई। इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है।

हमास के आतंकवादियों के खिलाफ 'अहम चरण'

उत्तरी गाजा में स्थिति गंभीर बनी हुई है और लगभग 8,00,000 लोगों ने दक्षिणी गाजा जाने के इजराइली सैन्य आदेशों का पालन किया। बहरहाल, इजराइल ने तथाकथित सुरक्षित क्षेत्र मध्य और दक्षिणी गाजा में भी रविवार को हमले किए, जिनमें कम से कम 53 लोग मारे गए। इजराइली सेना ने रविवार देर रात कहा कि उसने हमास के खिलाफ जारी युद्ध के तहत गाजा सिटी की घेराबंदी कर तटीय पट्टी को दो भागों में विभाजित कर दिया है। इजराइली सेना के रियर एडमिरल डेनियर हैगारी ने संवाददाताओं से कहा कि अब उत्तर गाजा और दक्षिण गाजा को विभाजित कर दिया गया है। उन्होंने इसे गाजा पर शासन कर रहे हमास के आतंकवादियों के खिलाफ इजराइल के युद्ध में 'अहम चरण' बताया।

इन हमलों में गाजा में 15 लाख से अधिक फिलिस्तीनी विस्थापित हुए हैं। गाजा में 241 लोगों को बंधक बनाया गया है। गाजा में लोग भोजन, दवाइयों, ईंधन और पानी की कमी से जूझ रहे हैं और उन्हें पर्याप्त मानवीय मदद नहीं पहुंच पा रही। हमलों के खिलाफ प्रदर्शनों और इसे रोके जाने की अपीलों के बावजूद इजराइल ने हमास के लड़ाकों और उनकी संपत्तियों को नष्ट करने के लक्ष्य से पूरे गाजा में बमबारी जारी रखी है।

ब्लिंकन ने फिलिस्तीन के राष्ट्रपति अब्बास, इराकी पीएम से की बातचीत

रामल्ला (वेस्ट बैंक)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने रविवार को वेस्ट बैंक में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास को आश्वस्त करने की कोशिश की कि अमेरिकी प्रशासन गाजा के नागरिकों की स्थिति में सुधार लाने के प्रयास तेज कर रहा है और उन्होंने जोर दिया कि संघर्ष के बाद क्षेत्र में जो भी होगा, उसमें फलस्तीनियों की मुख्य भूमिका होनी चाहिए। बाद में ब्लिंकन इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी के साथ बातचीत करने के लिए बगदाद रवाना हुए। इराक और अन्य स्थानों पर ईरान समर्थित मिलिशिया के क्षेत्र में अमेरिकी बलों पर हमले बढ़ रहे हैं। बगदाद से ब्लिंकन तुर्किये रवाना हुए।

पौने दो लाख अफगान नागरिकों ने छोड़ा पाक

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान में अवैध रूप से रहे विदेशी नागरिकों को निकालने के अभियान के तहत 6,500 से अधिक और अफगानिस्तानी नागरिकों ने तोरखम सीमा के रास्ते देश छोड़ दिया। इन्हें मिला कर पाकिस्तान छोड़ने वाले अफगान नागरिकों की कुल संख्या 1,70,000 से अधिक हो गई है। सीमा अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकार ने अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को एक नवंबर तक पाकिस्तान छोड़ने का आदेश देते हुए कहा था कि ऐसा न करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आदेश के बाद से ही इन नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी जारी है।

समाचार पत्र 'डॉन' ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि 17 सितंबर से कुल 1,74,358 अफगान नागरिक अपने देश रवाना हो चुके हैं। स्वैच्छिक वापसी जारी है।

पाकिस्तान से प्रवासियों को वापस भेजने के अभियान में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि प्रवासियों को दी गई समय सीमा के खत्म होने तक देश की सीमा पर प्रवासियों की बड़ी संख्या थी, लेकिन अब यह घट रही है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों समेत 6,584 अफगान नागरिकों ने रविवार को पाकिस्तान छोड़ दिया। वहीं खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब की विभिन्न जेलों से 209 कैदियों को 46,936 पुरुषों, 35,507 महिलाओं और 85,331 बच्चों के साथ वापस भेजा गया। पाकिस्तान से तीन नवंबर को 148 कैदियों, 44,718 पुरुषों, 33,699 महिलाओं और 82,221 बच्चों को वापस भेजा गया। आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया कि अपनी इच्छा से अफगानिस्तान लौटने वाले लोगों के अलावा छोटे-मोटे अपराधों के कारण जेल में बंद कैदियों को भी वापस भेजा जा रहा है।

कार्यवाहक सूचना मंत्री जान अचकजई के अनुसार, चमन सीमा से अफगानिस्तान के लगभग 700 नागरिक अपने देश गए। मंत्री ने क्वेटा के आयुक्त हमजा शफकत के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अफगानिस्तान के 54,000 से अधिक नागरिक अपने देश लौट गए हैं।अधिकारियों ने अफगान परिवारों को यह भी आश्वासन दिया है कि स्वदेश वापस जाने का सारा खर्च सरकार उठाएगी। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों ने देश में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के पाकिस्तान के कदम की आलोचना की है।

जपोरिजिया में सैन्य सम्मान समारोह के दौरान रूस ने दागी मिसाइल

मिसाइल हमले में 19 सैनिकों की मौत

एजेंसी । कीव

यूक्रेन ने पुष्टि की है कि जपोरिजिया में सैन्य सम्मान समारोह के दौरान रूस द्वारा दागी मिसाइल की चपेट में आकर उसके 19 सैनिक मारे गए हैं। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इस हादसे से बचा जा सकता था।

रक्षामंत्री रुस्तम उमेरोव ने इस बात की जांच करने के आदेश दिए हैं कि जकरपत्तिया की भिन्न 128वीं पवर्तीय युद्धक ब्रिगेड ने रॉकेट बल और तोपखाना दिवस पर सैनिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में क्यों हिस्सा लिया और क्यों इसका आयोजन युद्ध मोर्चे के करीब किया गया। यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब अधिकारियों ने बताया कि ओडेसा में रूसी ड्रोन एवं मिसाइल के हमले में आठ लोग घायल हो गए और कला संग्रहालय क्षतिग्रस्त हो गया है जो यूनेस्को विश्व विरासत का हिस्सा है। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में दिख रहा है कि यूक्रेन के मिसाइल हमले में रूसी नौसेना का पोत क्षतिग्रस्त हो गया है। ओडेसा राष्ट्रीय कला संग्रहालय ने बताया कि सात प्रदर्शनी हमले में क्षतिग्रस्त हो गई हैं और संग्रहालय के बाहर बड़ा गड्ढा बन गया है। संग्रहालय अपना 124वां स्थापना दिवस मना रहा है और रूस के हमले में क्षतिग्रस्त प्रदर्शनियों में अधिकतर समसामयिकी यूक्रेनियाई कलाकारों के कार्य हैं।

मुशर्रफ की याचिका पर होगी सुनवाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शीर्ष अदालत पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की दोषसिद्धि से संबंधित विभिन्न अपील पर शुक्रवार से सुनवाई शुरू करेगी। इनमें मुशर्रफ की एक अपील भी शामिल है जिसमें देशद्रोह के मामले में विशेष अदालत द्वारा उन्हें सुनाई गई मौत की सजा को पलटने का आग्रह किया गया है। विशेष अदालत ने 17 दिसंबर, 2019 को देशद्रोह का दोषी पाते हुए मुशर्रफ को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी।

मीटिंग में PML-N प्रमुख नवाज शरीफ का किया स्वागत

चुनाव तैयारी में जुटने के निर्देश

एजेंसी । लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ ने सोमवार को अपनी पार्टी के नेताओं को आठ फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया। 73 वर्षीय शरीफ ने लंदन में चार साल के आत्म-निर्वासन से लौटने के बाद लाहौर में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के केंद्रीय सचिवालय में अपनी पहली बैठक के दौरान चुनाव की तैयारी के निर्देश दिए।

तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ का बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, पीएमएल-एन की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और मुख्य संयोजक मरयम नवाज तथा अन्य नेताओं ने स्वागत किया। खबर में कहा गया पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ ने सोमवार को अपनी पार्टी के नेताओं को राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया। शरीफ लंदन में लगभग चार साल के आत्म-निर्वासन के बाद 21 अक्टूबर को पाकिस्तान लौटे थे। वह एवेनफील्ड अपार्टमेंट और अल-अजीजिया भ्रष्टाचार मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद चिकित्सा आधार पर जमानत मिलने के बाद लंदन चले गए थे।

विनाशकरी भूकंप से 153 की मौत

नेपाल के राष्ट्रपति ने यूरोप यात्रा की रद्द

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने देश में आए विनाशकारी भूकंप के मद्देनजर अपनी 10 दिवसीय यूरोप यात्रा रद्द कर दी है। पौडेल को आठ नवंबर को पेरिस शांति मंच में हिस्सा लेने के लिए रवाना होना था और उसके बाद उनका जर्मनी तथा इटली की यात्रा करने का भी कार्यक्रम था।

राष्ट्रपति के 17 नवंबर को स्वदेश लौटने का कार्यक्रम था। राष्ट्रपति की प्रेस सलाहकार किरण पोखरियाल ने कहा कि यह तय किया गया कि विनाशकारी प्राकृतिक आपदा के समय राष्ट्रपति का देश से बाहर जाना उचित नहीं होगा। राष्ट्रपति कार्यालय ने जाजरकोट भूकंप के बाद उत्पन्न स्थिति, जनहानि और संपत्ति को हुए नुकसान को देखते हुए पौडेल की यात्रा को रद्द करने का फैसला किया। राष्ट्रपति पौडेल मंगलवार को भूकंप प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में शुक्रवार को आधी रात से कुछ समय पहले आए 6.4 तीव्रता के भूकंप में 153 लोगों की मौत हो गई।

भूकंप प्रभावित इलाकों का आज करेंगे दौरा

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl